RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः50 , शुक्रवार, 03 अप्रैल 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

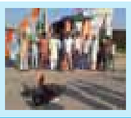
रसोई गैस की बढ़ती कीमतों व किल्लत के विरुद्ध कांग्रेस का सशक्त प्रतिरोध प्रदर्शन 03

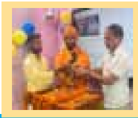
शिक्षा और अध्यात्म के संगम से अरेराज में डिजिटल क्रांति, 'Physics Vetta' के ... 04

कथनार-द वाइल्ड सॉर्सेरर का ट्रेलर हुआ रिलीज, अनुष्का शेट्टी और... 07

एमपी के भोजशाला मामले में 6 अप्रैल से रोज सुनवाई

● सभी याचिकाओं पर एक साथ ही दलीलें सुनेगा हाईकोर्ट ● एएसआई की सर्वे रिपोर्ट पर आपत्तियां रखेगा मुस्लिम पक्ष

इंदौर/धार (एजेंसी)। धार के भोजशाला विवाद मामले में 6 अप्रैल से रोज सुनवाई होगी। हाईकोर्ट के जस्टिस विजय कुमार शुक्ला और जस्टिस आलोक अवस्थी की बेंच सोमवार दोपहर ढाई बजे से सभी याचिकाओं को एक साथ सुनेगी। गुरुवार को हुई सुनवाई में अदालत ने स्पष्ट किया है कि पहले याचिकाकर्ताओं के तर्क सुने जाएंगे, फिर आपत्ति लगाने वालों को दलील रखने का अवसर दिया जाएगा। सुनवाई के दौरान हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस की ओर से वकील विष्णु शंकर जैन, विनय जोशी मौजूद रहे जबकि मौलाना कमालुद्दीन वेलफेयर सोसायटी की ओर से एडवोकेट सलमान खुर्शीद वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े थे। इससे पहले बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने भोजशाला विवाद में अहम आदेश देते हुए स्पष्ट किया था कि मामले का अंतिम निर्णय अब हाईकोर्ट ही करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की सर्वे रिपोर्ट, वीडियोग्राफी और पक्षकारों की आपत्तियों पर हाईकोर्ट अंतिम सुनवाई में विचार करेगा। सभी मुद्दे हाईकोर्ट के समक्ष खुले रहेंगे और वहीं तय किए जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था- एएसआई द्वारा तैयार की गई सर्वे रिपोर्ट सभी पक्षों को उपलब्ध करा दी गई है। कई पक्षों ने इस पर अपनी आपत्तियां भी दर्ज कराई हैं। एएसआई द्वारा की गई साइट की वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी से जुड़े बिंदुओं को भी हाईकोर्ट गंभीरता से देखेगा। यदि वीडियोग्राफी के आधार पर कोई नई आपत्तियां उठती हैं, तो उन पर भी सुनवाई के दौरान विचार किया जाएगा।

हाईकोर्ट में पेश की जा चुकी एएसआई की सर्वेक्षण रिपोर्ट

मध्य प्रदेश में धार स्थित भोजशाला को लेकर पुरातात्विक सर्वेक्षण रिपोर्ट हाईकोर्ट में पेश की जा चुकी है। रिपोर्ट में परिसर के ऐतिहासिक स्वरूप, स्थापत्य और शिलालेखों से जुड़े कई बड़े खुलासे सामने आए हैं। विशेष रूप से 10वीं से 13वीं शताब्दी के दौरान राजा भोज और राजा अर्जुन वर्मन द्वारा कराए गए निर्माण और सांस्कृतिक कार्यों के सबूत मिले हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पूरे परिसर में कुल 106 स्तंभ मिले हैं, जिन पर अलग-अलग प्रकार की नक्काशी और डिजाइन हैं। इसके अलावा 32 शिलालेख भी हैं। इन शिलालेखों में राजा भोज के समय लिखित और अर्जुन वर्मन के राजगुरु मदन द्वारा रचित 'पारिजलमंजरी नाटिका' और 'विजयश्री' नाटक के पहले दो अंकों का उल्लेख है। अलग-अलग पत्थरों पर ऐसी कई रचनाएं और नाट्यांश लिखे हैं। परिसर से मिले कुछ शिलालेखों में 14वीं शताब्दी के दौरान मालवा में मुसलमानों के आने और मुस्लिम शासन की स्थापना का जिक्र भी है। बता दें कि 1389 ईस्वी में दिलावर खान, जिसका मूल नाम हुसैन था, को दिल्ली से मालवा प्रांत का राज्यपाल नियुक्त किया गया था। बाद में दिलावर खान ने धार में स्वतंत्रता की घोषणा की। इसे अपनी राजधानी बनाया और 1401 ईस्वी में शाही उपाधि धारण कर स्वतंत्र रूप से राज्य चलाया।

संक्षिप्त समाचार

होर्मुज संकट पर ईरान ने कर दिया बड़ा ऐलान

● कहा-हमारे भारतीय दोस्त सुरक्षित, उन्हें नहीं रोकेंगे ● भारत को मित्र देश बताया, सुरक्षा भी सुनिश्चित की

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में तनाव के बीच ईरान ने भारत को बड़ी राहत देते हुए होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले भारतीय जहाजों को सुरक्षित रास्ता देने का आश्वासन दिया है। ईरान ने भारत को मित्र देश बताते हुए कहा है कि भारतीय ध्वज वाले जहाज और उसमें सवार नाविक सुरक्षित हैं, जिससे एलपीजी और तेल की आपूर्ति बनी रहेगी। ईरान ने कहा है कि भारतीय मित्रों को होर्मुज स्ट्रेट की स्थिति को लेकर कोई चिंता करने की जरूरत नहीं है।

28 फरवरी को इजरायल और अमेरिका के हमलों के बाद से यह महत्वपूर्ण जलमार्ग बाधित हो गया है। ईरान के भारत स्थित दूतावास ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि हमारे भारतीय मित्र सुरक्षित हाथों में हैं, कोई चिंता नहीं। ईरान होर्मुज स्ट्रेट को नियंत्रित करता है, जिसके रास्ते दुनिया की लगभग 20 फीसदी ऊर्जा आपूर्ति होती है। संघर्ष शुरू होने के बाद ईरान ने बहुत कम जहाजों को पार करने की अनुमति दी है। **अब तक 8 जहाज पार कर चुके हैं होर्मुज-** अब तक कम से कम आठ भारतीय जहाज होर्मुज से निकल चुके हैं। इनमें दो एलपीजी कैरियर बीडब्ल्यू टायर और बीडब्ल्यू एल्म शामिल हैं, जिनमें कुल लगभग 94,000 टन एलपीजी का कार्गो था। वर्तमान में भारत के लिए 19 जहाज होर्मुज में फंसे हुए हैं।

अपनी एयरफोर्स को मिलेगा अब हाईटेक माउंटेन रडार

● दुश्मनों पर रहेगी पैनी नजर, 1950 करोड़ रुपए में हुई डील

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए रक्षा मंत्रालय ने एक बड़ा कदम उठाया है। भारतीय वायुसेना के लिए आधुनिक माउंटेन रडार खरीदने का समझौता किया गया है, जिससे पहाड़ी इलाकों में निगरानी और सुरक्षा क्षमता और मजबूत होगी। रक्षा मंत्रालय ने सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के साथ करीब 1950 करोड़ रुपये का बड़ा करार किया है।

इस समझौते के तहत भारतीय वायुसेना के लिए दो माउंटेन रडार और उनसे जुड़े उपकरण व इंफ्रास्ट्रक्चर खरीदे जाएंगे। इन रडार की तैनाती और संचालन से देश की एयर डिफेंस क्षमता बढ़ेगी और राष्ट्रीय सुरक्षा को और मजबूती मिलेगी। साथ ही इससे विदेशी उपकरणों पर निर्भरता भी कम होगी। ये रडार पूरी तरह स्वदेशी तकनीक से बनाए गए हैं। इन्हें डीआरडीओ के इलेक्ट्रॉनिक्स और रडार विकास प्रतिष्ठान ने डिजाइन और विकसित किया है। इनका निर्माण भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड द्वारा किया जाएगा, जिससे देश में रक्षा उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा और मेक इन इंडिया पहल को मजबूती मिलेगी। यह करार बाय श्रेणी के तहत किया गया है।

भारत ने 38424 करोड़ के बेचे स्वदेशी हथियार

● ब्रह्मोस, तेजस और आकाश ने कर दिया 'बम-बम'

दुनिया ने माना लोहा, भारत बना बड़ा निर्यातक देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के रक्षा निर्यात में वित्त वर्ष 2025-26 में बड़ी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वित्त वर्ष 2025-26 में डिफेंस एक्सपोर्ट का आंकड़ा रिकॉर्ड 38,424 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। ये पिछले वित्त वर्ष के 23,622 करोड़ रुपए के मुकाबले 62.66 फीसदी ज्यादा है। सरकार के अनुसार, इस उपलब्धि में रक्षा सार्वजनिक उपक्रम (डीपीएसयू) और निजी क्षेत्र, दोनों का अहम योगदान रहा। कुल निर्यात में डीपीएसयू का हिस्सा 54.84 फीसदी और निजी कंपनियों का 45.16 प्रतिशत रहा। इस कामयाबी पर राजनाथ सिंह ने कहा कि देश सफलता की शानदार कहानी लिखा रहा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर पोस्ट किया।

14,802 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी से राजनाथ खुश

रक्षा मंत्री ने कहा कि 14,802 करोड़ रुपये की इस बड़ी बढ़ोतरी से भारत की स्वदेशी क्षमताओं और उन्नत विनिर्माण क्षमता पर वैश्विक विश्वास झलकता है। उन्होंने बताया कि इस उपलब्धि में रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (डीपीएसयू) का योगदान 54.84 फीसदी है।

भारत से इन हथियारों की सबसे ज्यादा डिमांड

ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को घुटनों पर लाने के बाद भारत लगातार अपनी सैन्य क्षमता को और मजबूत बनाने में जुटा है। इसके लिए अत्याधुनिक हथियारों पर फोकस बढ़ाया गया है। यही नहीं भारत स्वदेशी हथियारों पर ज्यादा ऐक्टिव है। वहीं भारत से कई देश हथियारों की खरीद बढ़ा रहे, जिसकी वजह से डिफेंस एक्सपोर्ट रिकॉर्ड स्तर पर बढ़ा है। ऐसा होने की वजह भारतीय से एक्सपोर्ट हथियारों पर इन देशों को ज्यादा भरोसा होना है। जानें वो कौन-कौन से हथियार हैं जिस पर दूसरे देश भरोसा जता रहे। भारत के स्वदेशी एयर डिफेंस सिस्टम आकाश मिसाइल पर भी दुनिया की निगाहें हैं। कई देश इन मिसाइल सिस्टम को पसंद कर रहे।

इंडियन करेंसी की 12 साल में लगी सबसे लंबी छलांग

● डॉलर के मुकाबले गिरते रुपए को अचानक लगे पंख

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रुपये में हाल में पिछले हफ्ते काफी गिरावट आई थी और यह डॉलर के मुकाबले 95 के पार पहुंच गया था। लेकिन आज इसमें काफी तेजी आई। रुपया डॉलर के मुकाबले करीब 2 प्रतिशत तक मजबूत होकर 92.94 पर पहुंच गया, जो सितंबर 2013 के बाद इसमें एक दिन में आई सबसे बड़ी तेजी है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने डॉलर के मुकाबले रुपये में तेज गिरावट के बीच बुधवार को अधिकृत डीलरों के लिए कई नए कदमों की घोषणा की थी। ये निर्देश तत्काल प्रभाव से लागू हो गए हैं। मार्च में रुपये में 4 फीसदी गिरावट आई थी जो छह साल में एक महीने में आई सबसे बड़ी गिरावट है। केंद्रीय बैंक ने एक अधिसूचना में कहा कि अधिकृत डीलर यानी विदेशी मुद्रा लेनदेन की अनुमति वाले बैंक अब रुपये से जुड़े नॉन-डिलीवेरेबल डेरिवेटिव (एनडीडी) अनुबंधों की पेशकश निवासी और अनिवासी ग्राहकों के लिए नहीं कर सकेंगे। इस कारण आज रुपये में तेजी देखने को मिली।

बंगाल में 7 इलेक्शन ऑब्जर्वर बंधक, सुप्रीम कोर्ट नाराज

कहा-हमें पता है उपद्रवी कौन, वोटर लिस्ट से नाम कटने पर हंगामा

कोलकाता (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में एसआईआर से जुड़े 7 इलेक्शन ऑब्जर्वर को बंधक बनाए जाने की घटना पर नाराजगी जताई। कोर्ट ने कहा- उन्हें नौ घंटे बंधक बनाकर रखा। खाना-पानी तक नहीं मिला। यह घटना सोची-समझी और भड़काऊ लगती है। हमें पता है उपद्रवी कौन हैं, इनका मकसद न्यायिक अधिकारियों का मनोबल गिराना और चुनावी प्रक्रिया को बाधित करना है। सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था ढह गई है। बेंच ने राज्य के गृह सचिव, डीजीपी और अन्य अधिकारियों से उनकी निष्क्रियता पर जवाब मांगा। दरअसल, 7 न्यायिक अधिकारी

बुधवार को मालदा के बीडीओ ऑफिस पहुंचे थे। इनमें तीन महिलाएं थीं। तभी वोटर लिस्ट में नाम कटने के विरोध में हजारों लोगों ने ऑफिस को घेर लिया। मालदा में लगातार दूसरे दिन भी विरोध प्रदर्शन हो रहा है। गुरुवार को नारायणपुर स्थित एसआईआर कैंप के सामने भीड़ इकट्ठा हो गई।

ममता का आरोप, मेरी सारी शक्तियां छीन ली गई हैं

सीएम बनर्जी ने कहा कि चुनाव आयोग कानून और व्यवस्था को कंट्रोल करने में पूरी तरह विफल रहा है। सीएम ने कहा, मेरी सारी शक्तियां छीन ली गई हैं। मुर्शिदाबाद जिले में एक चुनावी रैली में मुख्यमंत्री ने कहा, मुझे (बंधकों के बारे में) आधी रात को एक पत्रकार से पता चला। उन्होंने आगे कहा, लेकिन मैं समझती हूं कि लोग क्यों नाराज हैं। बता दें कि पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट में नाम हटाए जाने से नाराज लोगों ने सात न्यायिक अधिकारियों को बंधक बना लिया। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस विपुल पंचोली की पीठ ने इस मुद्दे पर स्वतः संज्ञान लिया और आज सुबह इस पर सुनवाई की। अदालत ने यह भी टिप्पणी की कि पश्चिम बंगाल में हर कोई केवल राजनीतिक भाषा बोलता है। मुख्य न्यायाधीश कांत ने पश्चिम बंगाल के एडवोकेट जनरल किशोर दत्ता से कहा कि यह सबसे ज्यादा ध्रुवीकृत राज्य है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, यह घटना न केवल न्यायिक अधिकारियों को डराने-धमकाने का एक घिनौना प्रयास है, बल्कि इस न्यायालय के अधिकार को भी चुनौती देती है। यह कोई सामान्य घटना नहीं थी, बल्कि न्यायिक अधिकारियों का मनोबल गिराने और लंबित मामलों में आपत्तियों के निपटारे की चल रही प्रक्रिया को रोकने की साजिश लगती है।

राजस्थान पंचायत और निकाय चुनाव में देरी पर हाईकोर्ट सख्त

जारी किया अवमानना नोटिस, 4 सप्ताह में देना होगा जवाब

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में पंचायत और निकाय चुनाव कराने में हो रही देरी को लेकर राजस्थान हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एसपी शर्मा की खंडपीठ ने गुरुवार को राज्य चुनाव आयोग और राज्य चुनाव आयुक्त राजेश्वर सिंह को अवमानना नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। कोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताते हुए पूछा है कि हाईकोर्ट के स्पष्ट आदेशों के बावजूद चुनाव प्रक्रिया में इतनी देरी क्यों की जा रही है। यह पूरा मामला पूर्व विधायक संयम लोढ़ा की ओर से दायर अवमानना याचिका से जुड़ा है। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता पुनीत सिंघवी ने अदालत को बताया कि राजस्थान हाईकोर्ट ने 14 नवंबर 2025 को एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया था।

सरकार और आयोग पर चुनाव टालने का आरोप

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता पक्ष ने आरोप लगाया कि सरकार और चुनाव आयोग जानबूझकर चुनाव टालने की कोशिश कर रहे हैं। आयोग की ओर से जारी कार्यक्रम से यह स्पष्ट है कि 15 अप्रैल तक चुनाव होना नामुमकिन है। दूसरी ओर, सरकार की तरफ से महाधिवक्ता राजेंद्र प्रसाद ने पक्ष रखते हुए कहा कि सरकार चुनाव की तारीखें आगे बढ़ाने के लिए एक प्रार्थना पत्र दायर करने वाली है। हालांकि, कोर्ट ने सरकार के इस तर्क को फिलहाल दरकिनार करते हुए कहा कि प्रार्थना पत्र बाद की स्थिति है, लेकिन अभी के लिए ऐसा कार्यक्रम क्यों जारी किया जवाब दें।

राघव चड्ढा को एएपी ने डिप्टी लीडर पद से हटाया

● सांसद के राज्यसभा में बोलने पर भी लगा दी पाबंदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी ने राज्यसभा सचिवालय को पत्र लिखते हुए सदन में अपने डिप्टी लीडर राघव चड्ढा को उनके पद से हटाने का आग्रह किया है। पार्टी ने अपने पत्र में ये भी कहा है कि राघव चड्ढा को आप के कोटा से बोलने का समय भी न दिया जाए। इसके साथ ही पार्टी ने एक पत्र राज्यसभा सचिवालय को लिखा है, जिसमें राघव चड्ढा की जगह अशोक मित्तल को डिप्टी स्पीकर बनाने का अनुरोध किया है। अशोक मित्तल पंजाब से आम आदमी पार्टी के सांसद हैं। उनका चयन अप्रैल 2022 में राज्यसभा में हुआ था। तब से ही वह कई संसदीय समितियों के सदस्य रह चुके हैं। इनमें रक्षा समिति, वित्त समिति प्रमुख है।

कथित जहरीली शराब पीने से युवक की मौत, तीन की हालत गंभीर

तुरकौलिया/मोतिहारी। रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के वार्ड 28-29 स्थित बालगंगा, मुसहरी टोला, बालगंगा टाली चौक और रघुनाथपुर में कथित जहरीली शराब अथवा स्प्रिट पीने से एक युवक की मौत और तीन लोगों के गंभीर रूप से बीमार होने की घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है। मृतक की पहचान रघुनाथपुर चौक निवासी चंदु सिंह के रूप में हुई है, जो मूल रूप से पुलवाघाट का रहने वाला था और रघुनाथपुर में रहकर ई-रिक्शा चलाता था। घटना की पुष्टि स्थानीय स्तर पर हो रही है, हालांकि पुलिस मौत के कारणों की जांच में जुटी है। बताया जाता है कि रात में घर लौटने के बाद चंदु सिंह को पेट दर्द और बेचैनी की शिकायत हुई। परिजन उसे निजी चिकित्सक के पास ले गए, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। ग्रामीणों के अनुसार वह अक्सर नशे का सेवन करता था और सूखा नशा का भी आदी था। इसी घटना में बालगंगा के लोहा ठाकुर, राहुल कुमार और लड्डू साह गंभीर रूप से बीमार हैं, जिनका इलाज मोतिहारी के निजी नर्सिंग होम में चल रहा है। एक अन्य व्यक्ति गाजर पासवान को भी भर्ती कराया गया था, लेकिन हालत में सुधार होने पर वह घर लौट आया है। बीमार लोगों में आंखों से दिखाई नहीं देना, पेट दर्द, उल्टी और तेज बेचैनी जैसे लक्षण सामने आए हैं, जिससे स्प्रिट सेवन की आशंका और गहरा गई है। ग्रामीणों ने गांव में लंबे समय से अवैध शराब बिक्री होने का आरोप लगाया है। लोगों का कहना है कि कुछ नामजद लोग गांव में शराब बेचते हैं और घटना के बाद से फरार हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए गांव में पुलिस लगातार गश्त कर रही है और संदिग्ध शराब के स्रोत की तलाश में छापेमारी की जा रही है। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है। पुलिस प्रशासन ने लोगों से अफवाहों से बचने और जांच में सहयोग करने की अपील की है।

संक्षिप्त समाचार

'एक इंसान से रिश्ता खराब होने पर मर जाऊं क्या'

पटना। भोजपुरी के पावर स्टार पवन सिंह और ज्योति सिंह के तलाक का मामला कोर्ट में चल रहा है। 25 मार्च को सुनवाई के दौरान पवन सिंह ने कहा था, 'ज्योति ने न सिर्फ मुझे परेशान किया है, बल्कि क्रूर तरीके से मेरे परिवार को तोड़ने की कोशिश भी की है। शादी के बाद से ही मुझे लगातार मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना झेलनी पड़ रही है। अब हम दोनों के एक साथ रहने का कोई चांस नहीं है।' पवन सिंह की इस पहल के बाद ज्योति सिंह का पहला रिएक्शन आया है। उन्होंने 3 मिनट का वीडियो जारी कर अपनी बात रखी है। ज्योति सिंह ने साफ तौर पर कहा है कि एक इंसान से अगर रिश्ता खराब हो जाए तो जिंदगी जीना नहीं छोड़ सकती। उसके लिए जान नहीं दिया जा सकता है। ज्योति सिंह ने पवन सिंह पर तंज भी किया। ज्योति ने कहा कि मुझे मर कर देवी नहीं बनना है। दरअसल पवन सिंह ने एक रियलिटी शो में अपनी पहली पत्नी को देवी कहा था। उन्होंने कहा था, 'नीलम जैसी महिला दूसरी कोई और नहीं हो सकती, क्योंकि उन्होंने हर परिस्थिति में उनका साथ दिया था।'

अप्रैल में तपेगा बिहार, पिछले साल से ज्यादा रहेगा टेंपरेचर

पटना। बिहार में अप्रैल महीने में गर्मी और मौसम में बदलाव दोनों का मिला-जुला रूप दिखाएगा। मौसम विभाग के अनुसार अप्रैल के दूसरे हफ्ते से राज्य में हीट वेव चलने की संभावना है। इस दौरान अधिकतम और न्यूनतम दोनों ही तापमान सामान्य से अधिक रहने की आशंका जताई गई है। आमतौर पर अप्रैल में अधिकतम तापमान 38 से 40 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 22 से 24 डिग्री के बीच रहता है, लेकिन इस बार इससे ऊपर जाने के आसार हैं। बिहार में अप्रैल 2026 का मौसम पिछले साल के मुकाबले थोड़ा अलग पैटर्न दिखाने वाला है। मौसम विभाग के अनुसार इस बार भी गर्मी तेज रहेगी, लेकिन इसके साथ बारिश भी ज्यादा होने की संभावना है। अप्रैल 2025 में बिहार में लगातार भीषण गर्मी पड़ी थी। महीने के दूसरे हफ्ते से ही कई जिलों में तापमान 40 डिग्री के पार चला गया था। गया, पटना, औरंगाबाद जैसे जिलों में पारा 42 डिग्री तक पहुंच गया था। हीट वेव की स्थिति बनी रही और पूरे महीने बारिश बहुत कम हुई। रात में भी गर्मी बनी रहती थी, जिससे लोगों को राहत नहीं मिल रही थी। अप्रैल 2026 में भी अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने का अनुमान है, यानी गर्मी कम नहीं होगी। सामान्य तौर पर जहां तापमान 38-40 डिग्री रहता है, वहां इस बार इसके ऊपर जाने के आसार हैं। लेकिन सबसे बड़ा बदलाव बारिश को लेकर है। इस बार मौसम विभाग ने पूरे राज्य में सामान्य से अधिक वर्षा की संभावना जताई है। यानी बीच-बीच में आंधी और बारिश होती रहेगी।

भगवानपुर में दो गांजा तस्कर अरेस्ट

हाजीपुर। भगवानपुर थाना पुलिस ने 1 अप्रैल 2026 की देर शाम दो गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया। उनके पास से 20.910 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया है। यह कार्रवाई उत्पाद विभाग, पटना की टीम से मिली सूचना के आधार पर की गई। उत्पाद विभाग, पटना ने भगवानपुर थानाध्यक्ष को जानकारी दी थी कि दो गांजा तस्कर मुजफ्फरपुर से हाजीपुर की ओर एक कत्थई रंग की मारुति अल्टो कार में गांजा ले जा रहे हैं। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक टीम का गठन किया। गठित टीम ने एनएच-22 पर नाकेबंदी कर वाहनों की जांच शुरू की। इसी दौरान मुजफ्फरपुर की ओर से आ रही कत्थई रंग की अल्टो कार पुलिस को देखकर भगवानपुर ओवरब्रिज के नीचे से भागने लगी। पुलिस टीम ने पीछा कर कार को रोका और चालक सहित उसमें बैठे व्यक्ति को पकड़ लिया। पकड़े गए व्यक्तियों की पहचान वैशाली के गंगा ब्रिज थाना क्षेत्र निवासी रंजन कुमार यादव और पटना जिले के पाटलिपुत्र थाना क्षेत्र निवासी आशीष कुमार उर्फ गोलू के रूप में हुई। भागने का कारण पूछने पर उन्होंने कार में गांजा होने की बात स्वीकार की। इसके बाद दंडाधिकारी और अंचलाधिकारी, भगवानपुर की उपस्थिति में विधिवत वीडियोग्राफी के साथ तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान दोनों व्यक्तियों के पास से एक-एक मोबाइल फोन बरामद हुआ। कार की तलाशी लेने पर कपड़े के चार अलग-अलग थैलों में रखा गांजा मिला, जिसका वजन मौके पर 20.910 किलोग्राम पाया गया। इस संबंध में भगवानपुर थाना में कांड संख्या 121/26 दर्ज कर दोनों गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

15 किलो गांजा जब्त, एक तस्कर अरेस्ट

हाजीपुर। वैशाली पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। राघोपुर थाना पुलिस ने 1 अप्रैल को शाम गश्ती के दौरान रामपुर गांव से गौरव कुमार नामक व्यक्ति को 15.477 किलोग्राम गांजा के साथ पकड़ा। इस संबंध में सदर एसडीपीओ सुबोध कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान गौरव कुमार, पिता उमराशंकर राय, निवासी रामपुर श्यामचंद, थाना राघोपुर, जिला वैशाली के रूप में हुई है। पुलिस ने इस संबंध में राघोपुर थाना में मामला दर्जकर गौरव कुमार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पूछताछ के दौरान गौरव कुमार ने मादक पदार्थ के स्रोत, इसे किसे बेचना था और तस्करी में शामिल गिरोह के अन्य सदस्यों के बारे में महत्वपूर्ण खुलासे किए हैं। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। पुलिस ने आरोपी के पास से 15.477 किलोग्राम गांजा और एक मोटरसाइकिल भी बरामद की है। गौरव कुमार का आपराधिक इतिहास भी रहा है। उसके खिलाफ रेल थाना पटना जंक्शन में कांड संख्या 679/22 (शराब तस्करी) दर्ज है।

वैशाली महोत्सव में कल्पना पटवारी के कार्यक्रम में हंगामा

हाजीपुर। वैशाली महोत्सव के दूसरे दिन लोक गायिका कल्पना पटवारी के कार्यक्रम में भारी हंगामा हो गया। भीड़ बेकाबू होने पर पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। कल्पना पटवारी के मंच पर आने के लगभग आधे घंटे बाद ही दर्शकों में उत्साह बढ़ गया और भीड़ अनियंत्रित होने लगी। स्थिति तब और बिगड़ गई जब कुछ लोगों ने कुर्सियां फेंकना शुरू कर दिया। इसके बाद, उपद्रवी तत्वों को खदेड़ने और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को बल प्रयोग करते हुए लाठीचार्ज करना पड़ा। कार्यक्रम की शुरुआत कल्पना पटवारी ने उत्तर बिहार के प्रसिद्ध छठ पूजा गीत 'उग हे सूर्य देव...' से की थी। अपने प्रदर्शन के दौरान उन्होंने नालंदा में एक महिला के साथ हुए सामूहिक दुर्व्यवहार का भी जिक्र किया और इसे शर्मनाक बताया। इसी संदर्भ में उन्होंने भिखारी ठाकुर का प्रसिद्ध गीत 'बेटी बेचवा' भी प्रस्तुत किया। पटवारी ने 'बलमुवा कैसे तेजब, हे छोटी ननदी' जैसे कई अन्य गीत भी गाए, जिस पर संगीत प्रेमियों ने खूब तालियां बटोरीं। नालंदा की घटना पर आधारित एक मार्मिक गीत 'गिरजा दुखवा हमार कर साफ क के आंगन छिपा लोटा झुठ बन के रहली माइ के टहलनी हो बाबूजी अरे कवनो करनीया में चुकली हो बाबुजी' की प्रस्तुति से माहौल गमगीन हो गया। हंगामे के बाद जिला प्रशासन ने तुरंत हस्तक्षेप किया। अधिकारियों ने उपद्रवी तत्वों को कड़ी चेतावनी दी और स्थिति को शांत कराया। इसके बाद कार्यक्रम को फिर से संचालित किया गया। उन्होंने 'बाबा दिहले टिकबा सेहू रे हम तेजबो, बलमुआ' और 'सेनुरवा कईसे तेजब रे छोटी ननदी' जैसे गीत भी गाए। कल्पना पटवारी ने 'नदिया के पार' फिल्म का चर्चित गीत 'कौने दिशा में' प्रस्तुत कर दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। यह भोजपुरी नाइट का सिलसिला लगातार चलता रहा। कार्यक्रम के दौरान मंच के सामने बैठे परिवार सहित अधिकारियों और अन्य लोगों ने भी गीतों का जमकर लुत्फ उठाया और कई लोग अपने मोबाइल में इन पलों को कैद करते दिखे।

रिटायर्ड कर्नल सहित 3 फ्लैट में करोड़ों की चोरी, 4 गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

- सोने के गहने समेत 40 लाख का सामान बरामद, दरवाजे पर अखबार देख पहचानते थे खाली घर

पटना में रिटायर्ड कर्नल जनार्दन प्रसाद के घर में 6 मार्च को एक करोड़ से ज्यादा की चोरी हुई थी। पुलिस 20 दिन से शातिरों की खोजबीन में लगी थी। इसी दौरान अलग-अलग चोरी की घटनाओं में 3 बदमाश पकड़े गए हैं। इनके पास से चोरी के आभूषण बरामद हुए हैं। पूर्वी एसपी परिचय कुमार ने बताया कि रिटायर्ड कर्नल के घर चोरी के साथ-साथ तीन अन्य चोरी के मामलों कभी उद्भेदन किया गया है। इस घटना में शामिल 4 चोर पकड़े गए हैं। जिनका नाम सोनू कुमार, गुड्डू कुमार, आदित्य कुमार, जीतू साहनी है।

फिलहाल इनकी निशानदेही पर छापेमारी जारी है। इनके अलावा 10 से 12 संदिग्ध लोगों की भूमिका सामने आई है। जिनके बारे में पता लगाया जा रहा है। इनके पास से चोरी के गले सोने के ढेले 234.9 ग्राम, सोने की ज्वेलरी 40.3 ग्राम, 4 मोबाइल फोन समेत तकरीबन 40 लाख के सामान बरामद किए गए हैं। चोरी की घटना को अंजाम देने के बाद सभी साथी पटना छोड़कर ओडिशा समेत दूसरे राज्यों में घूमने निकल गए थे। मौज मस्ती करने के बाद कुछ दिन पहले घर पर आए थे। इसके बाद सभी को घर से पकड़ लिया गया है। फिलहाल इन्वेस्टिगेशन जारी है। सदर एसडीपीओ 1 अभिनव के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया था। इसमें कंकड़बाग थानेदार अभय कुमार जक्कनपुर थानेदार ऋतुराज कुमार सिंह सुमित सदर इलाके की पुलिसकर्मी शामिल थे।

रिटायर्ड कर्नल और उनके दो किराएदारों के फ्लैट से करीब एक करोड़ के गहने और कैश की चोरी हुई थी। रिटायर्ड कर्नल जनार्दन प्रसाद अपने बच्चों के यहां बेंगलुरू में रहते हैं। महावीर आरोग्य में पदस्थापित डॉ. अविनाश और अमित कुमार उनके घर में किराएदार हैं। दोनों किराएदार अपने गांव गए थे। डॉ. अविनाश नवादा के हिसुआ के रहने वाले हैं। गांव से लौटे तो घटना की जानकारी हुई थी। चोरों ने उनके फ्लैट का ताला तोड़ दिया था। सामान बिखरा पड़ा था। चोरों ने उनके घर से करीब 70 लाख के गहने और 14 लाख कैश की चोरी की थी। रिटायर्ड कर्नल और यूपीएससी की तैयारी करने वाले अमित के फ्लैट का भी ताला टूटा था। इन दोनों के फ्लैट से भी महंगे सामान की चोरी की गई थी।

पूर्व मंत्री की बहन के घर भी चोरी हुई थीः इसके अलावा पूर्व मंत्री अशोक कुमार सिंह की बहन के घर से डेढ़ लाख रुपए नकद, 3 लाख के गहने, लाइसेंसी रायफल की गोलियां और चार घड़ी चोरी हो गई थी। घटना कंकड़बाग थाना की पीसी कॉलोनी में डी-128 में हुई थी। घर बंद था। पूर्व मंत्री की बहन और बहनोई ललितेश्वर प्रसाद सिंह खगड़िया गए थे। उनके बेटे शशांक कुमार शिक्षा विभाग में अधिकारी हैं। वे होली मनाने लखनऊ स्थित ससुराल गए थे। इस दौरान घटना को अंजाम दिया गया था। इस मामले का भी पुलिस खुलासा करेगी। इसका भी मास्टरमाइंड पकड़ा गया है।

बेगूसराय में 12 हजार रिश्वत लेते प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी व डीलर-दलाल गिरफ्तार

बेगूसराय। भ्रष्टाचार के खिलाफ निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, बिहार पटना को बड़ी सफलता मिली है। ब्यूरो की मुख्यालय टीम ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुए भगवानपुर प्रखंड के प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी सह मंसूरचक के अतिरिक्त प्रभार में तैनात शैलेन्द्र कुमार तथा डीलर (दलाल) विद्या सागर को 12 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह कार्रवाई 2 अप्रैल 2026 को निगरानी थाना कांड संख्या 039/26 के तहत की गई। दोनों आरोपियों को मंसूरचक थाना क्षेत्र के लवटोल गांव के पास सड़क किनारे रिश्वत की राशि लेते हुए दबोचा गया। बताया गया है कि परिवादी पप्पू पासवान, निवासी तेयाय, भगवानपुर ने निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, पटना में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि जन वितरण प्रणाली दुकान के तहत बेचे जाने वाले अनाज के एवज में प्रति क्विंटल 25 रुपये के हिसाब से चार माह का कमीशन तथा लाइसेंस नवीनीकरण के नाम पर रिश्वत मांगी जा रही थी। शिकायत के सत्यापन के दौरान आरोप सही पाए जाने के बाद पुलिस उपाधीक्षक रंजीत कुमार निराला के नेतृत्व में एक धावादल का गठन किया गया। टीम ने योजनाबद्ध तरीके से जाल बिछाकर दोनों आरोपियों को रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया। निगरानी ब्यूरो ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के बाद उन्हें माननीय विशेष न्यायालय, निगरानी, भागलपुर में प्रस्तुत किया जाएगा। मामले में आगे की अनुसंधानात्मक कार्रवाई जारी है।

हनुमान जयंती पर महावीर मंदिर में लगी भक्तों की कतार

एजेंसी, पटना

आज चैत्र मास की पूर्णिमा हस्त नक्षत्र और ध्रुव योग में मनाई जा रही है। इसी के साथ आज हनुमान जयंती भी है। इसे लेकर पटना के महावीर मंदिर में विशेष तैयारी है। महावीर के दरबार को विशेष फूलों से सजाया गया है। दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की कतारें लगी हुईं है। भक्त हनुमान जी पर प्रसाद में नवैद्धम और लड्डू चढ़ा रहे हैं। मंदिर परिसर श्रद्धालुओं से भरा हुआ है।

सुरक्षा को देखते हुए सरकारी-प्राइवेट सुरक्षा बलों की संख्या बढ़ाई गई है। श्री महावीर मंदिर स्थान न्यास समिति के सचिव सायण कुणाल ने कहा कि मंदिर में आने वाले लोगों की संख्या काउंट करने वाली आधुनिक तकनीक वाली मशीन भी बेंगलुरु से मंगा ली गई है। इसके साथ ही मंदिर में 80 टन क्षमता वाली एसी मशीन इंस्टॉल किया गया है, ताकि गर्मी से भक्तों को राहत मिले।

चैत्र पूर्णिमा हिन्दू नववर्ष की प्रथम पूर्णिमा होती हैः वहीं, आचार्य राकेश झा ने बताया कि चैत्र पूर्णिमा हिन्दू नववर्ष की प्रथम पूर्णिमा होती है। चैत्र पूर्णिमा पर आज गुरुवार की शाम 04:35 बजे तक हस्त नक्षत्र रहेगा। इसके बाद पूरे दिन चित्र नक्षत्र विद्यमान होगा। वहीं, आज दोपहर 01:31 बजे तक ध्रुव योग है, फिर इसके बाद व्याघात योग उपस्थित रहेगा। पूर्णिमा की तिथि आज सुबह 06:39 बजे तक है। परंतु उदयातिथि से आज पूरे दिन पूर्णिमा ही रहेगी।

एम्स-पीएमसीएच में बेड नहीं मिला, नवजात की मौत

एजेंसी, पटना

- 3 दिन के बच्चे को लेकर लखीसराय से पहुंचे थे परिजन, प्राइवेट हॉस्पिटल में 51 हजार का बिल बना

पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (पीएमसीएच) बेड के अभाव में 3 दिन के नवजात बच्चे की मौत हो गई। आरोप है कि बच्चे को समय पर इलाज नहीं मिला। बच्चे की मौसी लखीसराय की रेखा कुमारी ने कहा कि नवजात का जन्म 30 मार्च को लखीसराय सदर अस्पताल में हुआ था। 24 घंटे के बाद बच्चे की हालत बिगड़ने लगी। डॉक्टर ने रेफर कर दिया। बच्चे को वेंटिलेटर सपोर्ट सिस्टम वाली एम्बुलेंस से अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) पटना लेकर आए। वहां भी बेड नहीं था। बच्चे को भर्ती नहीं लिया गया।

AIIMS से 1 अप्रैल की अहले सुबह करीब 5 बजे पीएमसीएच पहुंचे। यहां भी हालात अलग नहीं थे। नवजात को शिशु रोग विभाग में भर्ती नहीं किया गया। कारण बेड का अभाव था। बच्चे की हालत लगातार बिगड़ती जा रही थी। घंटों गुहार लगाते रहे, लेकिन किसी ने बात नहीं सुनी। हम लोग हाथ जोड़ते रहे, लेकिन डॉक्टरों का दिल नहीं पसीजा। थक हार कर प्राइवेट अस्पताल गए। वहां 12 घंटे में 51 हजार का बिल बन गया, पर बच्चे की जान नहीं बची।

गांव पहुंचते ही बच्चे ने दम तोड़ दियाः रेखा कहती हैं कि 51 हजार रुपए निजी अस्पताल में देना हमारे बस की बात नहीं थी। परिवार की आर्थित स्थिति कमजोर है। हमारे लिए बिल देना मुश्किल था। जिसके बाद डायल-112 की पुसिस को खबर दी, तब किसी तरह 15 हजार रुपए में मामला सुलझा। दूसरी तरफ बच्चे की हालत खराब होती जा रही थी। निराश होकर बच्चे मां काजल कुमारी अपने बच्चे को लेकर लखीसराय लौटने लगी। इलाज के लिए दर-दर भटकती के बाद भी राहत नहीं मिली। परिवार ने बच्चे को भगवान भरोसे छोड़ दिया। गांव पहुंचते ही बच्चे ने दम तोड़ दिया। पहले भी उठते रहे हैं सवाल यह कोई पहली घटना नहीं है जब पटना के बड़े अस्पतालों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे हों। इससे पहले भी कई बार मरीजों को बेड नहीं मिलने, इलाज में देरी और रेफरल के नाम पर इधर-उधर भटकाने की शिकायतें सामने आ चुकी हैं।

पीएमसीएच में नवजात बच्चे के लिए बेहतर व्यवस्था है-अधीक्षकः पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल अधीक्षक राजीव कुमार सिंह ने कहा कि NICU और PICU मिलाकर 58 बेड उपलब्ध है, चुकी फर्स्ट फेज में इतनी ही व्यवस्था उपलब्ध है। अन्य सरकारी अस्पतालों के मुकाबले पीएमसीएच में नवजात बच्चे के लिए बेहतर व्यवस्था है। आने वाले समय में इसे और भी प्रभावी बनाने की दिशा में कारगर कदम उठाए जा रहे हैं, दूसरे फेज में जल्द ही बेड की संख्या को और भी बढ़ाने की कोशिश की जा रही है।

आईजीआईएमएस में रोबोटिक तकनीक से पैंक्रियाज कैंसर का ऑपरेशन, मरीज हो रहे रिकवर

एजेंसी, पटना

- आईसीयू से वार्ड में शिफ्ट, 50 हजार रुपए में हुआ इलाज

इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (IGIMS) पटना में पहली बार रोबोटिक तकनीक से पैंक्रियाज कैंसर का सफल ऑपरेशन किया गया है। जटिल सर्जरी को कम खर्च और कम जोखिम में पूरा किया गया, जिससे बिहार के मरीजों के लिए उन्नत इलाज की नई संभावनाएं खुली हैं। इस उपलब्धि पर चिकित्सा अधीक्षक डॉ. मनीष मंडल ने कहा कि भविष्य में संस्थान में और भी जटिल सर्जरी रोबोटिक तकनीक से की जाएंगी। IGIMS ने इस सर्जरी को मात्र 50 हजार रुपए के पैकेज में पूरा किया है। आत तौर पर 1 लाख रुपए लगते हैं।

ऑपरेशन के बाद मरीज को एक रात आईसीयू में निगरानी में रखा गया। अच्छी बात यह रही कि अगले ही दिन मरीज की स्थिति स्थिर हो गई और उन्हें वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया। डॉक्टरों के अनुसार, तीसरे दिन से मरीज को सामान्य भोजन दिया जाएगा और अगर स्थिति सामान्य रही तो जल्द ही उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी। यह रोबोटिक तकनीक की सबसे बड़ी खासियतों में से एक है कि मरीज जल्दी रिकवर करता है। 2 महीने से पीलिया-बुखार से पीड़ित थे दरभंगा के मरीज

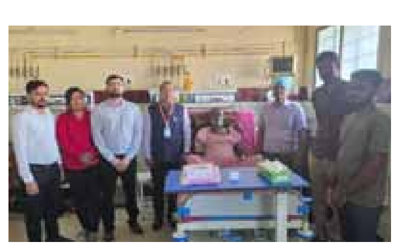

दरभंगा जिले के वाजिदपुर निवासी 71 वर्षीय एक मरीज पिछले 2 महीनों से लगातार पीलिया और बुखार से पीड़ित थे। परिजनों ने कई स्थानों पर उनका इलाज कराया, लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। इसके बाद मरीज को IGIMS पटना लाया गया, जहां जीआई सर्जरी विभाग में उनकी जांच शुरू हुई। जांच रिपोर्ट और सीटी स्कैन में उन्हें पैंक्रियाज कैंसर होने की पुष्टि हुई। डॉक्टरों ने मरीज की स्थिति का आकलन करने के बाद रोबोटिक सर्जरी करने का निर्णय लिया।

पारंपरिक सर्जर में पेट खोलना पड़ता हैः जीआई सर्जरी विभाग के अपर प्राध्यापक डॉ. राकेश कुमार सिंह ने बताया कि पैंक्रियाज कैंसर शरीर के सबसे जटिल कैंसरों में से एक है। इसकी सर्जरी चुनौतीपूर्ण होती है, क्योंकि पैंक्रियाज शरीर में गहराई में स्थित होता है और इसके आसपास कई महत्वपूर्ण रक्त वाहिकाएं और अंग होते हैं। डॉ. सिंह के अनुसार, पारंपरिक सर्जरी में पेट खोलकर ऑपरेशन किया जाता है, जिससे रक्तस्राव, संक्रमण और लंबी रिकवरी का जोखिम अधिक होता है। वहीं, लेप्रोस्कोपिक तकनीक में भी सीमित विजन और तकनीकी चुनौतियां रहती हैं। इस जटिल मामले में डॉक्टरों की टीम ने रोबोटिक तकनीक का उपयोग किया। लगभग 6 घंटे तक चली यह सर्जरी सटीकता के साथ पूरी की गई। रोबोटिक सिस्टम ने सर्जन को बेहतर विजन और नियंत्रण दिया, जिससे ऑपरेशन के दौरान जोखिम काफी कम हो गया। डॉ. राकेश कुमार सिंह ने बताया कि इस तकनीक में छोटे चीरे लगाए जाते हैं, जिससे रक्तस्राव कम होता है और आसपास के अंगों को क्षति पहुंचने की संभावना भी घट जाती है। दूसरे राज्य जाने की जरूरत नहीं होगी निदेशक डॉ. बिंदे कुमार ने कहा कि अब बिहार के मरीजों को उन्नत इलाज के लिए दूसरे राज्यों में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

नई जिम्मेदारी पर अनंत बोले-ई सब हम जानबे नहीं करते

एजेंसी, पटना

बिहार विधानसभा में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 19 समितियों का गठन किया गया है। इसमें बाहुबली नेता और मोकामा से विधायक अनंत सिंह को भी जगह मिली है। अनंत सिंह को पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण समिति का सदस्य बनाया गया। अनंत सिंह से जब इसको लेकर सवाल किया गया कि आप सदस्य बने हैं।

आप पर्यावरण के लिए क्या कुछ सोचे हैं? अनंत सिंह ने कहा, ई सब हम कुछ जानबे नहीं करते है। हम क्या बने हैं क्या नहीं बने हैं। अनंत सिंह ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा कि, नदवां में मैं बहुत से कार्यक्रम करवा चुका हूं। नाच-गाने का भी प्रोग्राम हुआ है, लेकिन आज तक यहां कोई हंगामा नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि, हमको कोई हरा ही नहीं सकता। चुनाव क्या आजतक तक हम किसी चीज में हारे ही नहीं हैं। मेरी कुंडली में हार है ही नहीं।

महादंगल में 10 लाख लोग पहुंचेंगेः अपने गांव नदवां में होने वाले महादंगल को लेकर भी अनंत सिंह काफी उत्साहित हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अनंत सिंह वहीं कैंप भी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि, '3 अप्रैल को बड़ा आयोजन हो रहा है। देश-विदेश से 100 से ज्यादा पहलवान आ रहे हैं। 10 लाख से ज्यादा लोग दंगल देखने पहुंचेंगे। जो बाहर से आएंगे, उनके खाने-पीने का पूरा इंतजाम है। ऐसा दंगल बिहार में पहले कभी नहीं हुआ है।

'बिहार को गरीब बताकर छवि खराब कर रहे तेजस्वी'

एजेंसी, पटना

लोक जन शक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता चिराग पासवान ने पटना एयरपोर्ट पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि तेजस्वी यादव चुनावी लाभ के लिए अपने ही राज्य बिहार की छवि को देशभर में खराब कर रहे हैं। कहा कि तेजस्वी यादव दूसरे राज्यों में जाकर बिहार को सबसे गरीब राज्य बताकर उसकी नकारात्मक तस्वीर पेश कर रहे हैं। चिराग ने आगे कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक जिम्मेदार नेता अपने ही राज्य की छवि को नुकसान पहुंचाने का काम कर रहा है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि तेजस्वी यादव को यह भी बताना चाहिए था कि आखिर बिहार को गरीब बनाए रखने के लिए कौन जिम्मेदार रहा है।

RJD के शासन पर निशानाः चिराग पासवान ने सीधे तौर पर राष्ट्रीय जनता दल और उसके 1990 के दशक के शासनकाल को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि उस दौर की नीतियों और प्रशासनिक विफलताओं के कारण बिहार पिछड़ता चला गया। उनके अनुसार, उसी समय राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब हुई, विकास कार्य ठप पड़े और बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार और बेहतर जीवन की तलाश में पलायन करना पड़ा।

नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल 57 वर्ष का हुआ

एजेंसी, पटना

- स्थापना दिवस पर कई डॉक्टर सम्मानित, एलुमनी मीट में देश-विदेश के फेसम डॉक्टर्स पहुंचे

पटना के नालंदा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एनएमसीएच) ने अपना 57वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर एक भव्य एलुमनी मीट का भी आयोजन किया गया, जिसमें देश-विदेश से आए कई प्रतिष्ठित डॉक्टरों और पूर्व छात्रों ने भाग लिया। समारोह के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले कई डॉक्टरों को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में बिहार सरकार के स्वास्थ्य विभाग के सचिव लोकेश कुमार सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी हिमांशु शर्मा और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति भी शामिल हुए, जिन्होंने समारोह की गरिमा बढ़ाई।

मरीजों को बेहतर सुविधाएं प्रदान की जा रहीः मुख्य अतिथि लोकेश कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल ने पिछले 57 वर्षों में स्वास्थ्य सेवाओं में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि मरीजों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए अस्पताल की आधारभूत संरचना को और मजबूत तथा आधुनिक बनाया जाएगा। उन्होंने इस दिन को संस्थान और पूरे राज्य के लिए गर्व का क्षण बताया। अस्पताल की अधीक्षक डॉ. प्रोफेसर रश्मि प्रसाद ने संस्थान की उपलब्धियों और वर्तमान गतिविधियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि अस्पताल निरंतर बेहतर चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रयासरत है और भविष्य में इसे और उन्नत बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। समारोह के दौरान, कई डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों को उनके उत्कृष्ट कार्य और समर्पण के लिए सम्मानित किया गया। एलुमनी मीट में उपस्थित पूर्व छात्रों ने अपने अनुभव साझा किए और संस्थान के साथ जुड़ी अपनी पुरानी यादों को ताजा किया। यह आयोजन न केवल संस्थान की उपलब्धियों का उत्सव था, बल्कि भविष्य में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के संकल्प का प्रतीक भी बना। समारोह का माहौल उत्साह और गर्व से परिपूर्ण रहा, जिसमें पुरानी यादों को ताजा करने के साथ-साथ भविष्य की योजनाओं पर भी चर्चा की गई।

संक्षिप्त समाचार

छतौनी चौक का संयुक्त निरीक्षण, धूल प्रदूषण नियंत्रण के सख्त निर्देश

बीएनएम @ मोतिहारी। शहर के छतौनी चौक पर बढ़ते धूल प्रदूषण की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए सदर अनुमंडल पदाधिकारी ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के परियोजना निदेशक के साथ संयुक्त निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य से उड़ रही धूल और उससे आमजन को हो रही परेशानी का जायजा लिया गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अधिकारियों ने तत्काल प्रभाव से नियमित जल छिड़काव सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि क्षेत्र में धूल प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके। साथ ही निर्माण एजेंसी के साइट इंजीनियर को स्पष्ट रूप से कहा गया कि कार्यस्थल पर धूल नियंत्रण से जुड़े सभी मानकों और आवश्यक उपायों का सख्ती से पालन किया जाए। अधिकारियों ने कहा कि निर्माण कार्य के दौरान आम लोगों की सुविधा और स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि आवागमन करने वाले लोगों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

महंगाई व गैस सिलेंडर कालाबाजारी के खिलाफ रामगढ़वा में कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन

बीएनएम @ रामगढ़वा। पार्टी सृजन अभियान के तहत रामगढ़वा में कांग्रेस ने बढ़ती महंगाई, गैस सिलेंडर की कालाबाजारी और पेट्रोलियम पदार्थों की लगातार बढ़ती कीमतों के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। जिला अध्यक्ष अखिलेश दयाल के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी का पुतला दहन कर केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध जताया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की बेतहाशा बढ़ती कीमतों से आम जनता परेशान है। ऊपर से गैस सिलेंडर की कालाबाजारी ने लोगों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। नेताओं का आरोप था कि महंगाई का सीधा असर गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों की रोजी-रोटी पर पड़ रहा है, जिससे घर का बजट पूरी तरह बिगड़ गया है। वक्ताओं ने कहा कि सरकार महंगाई पर नियंत्रण पाने में विफल रही है। यदि जल्द ही पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में राहत नहीं दी गई और कालाबाजारी पर रोक नहीं लगी, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस मौके पर प्रखंड अध्यक्ष संजय पांडे, धीरज सिंह, उपेंद्र झा, प्रमोद पांडेय, वासी महमद, अवधेश उपाध्याय, शिवेश कुमार झा, मुफ्तहल हक और दीपू कुमार सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने सरकार विरोधी नारे लगाए और आम जनता को राहत देने की मांग की।

जयंत अकादमी का 10वां वार्षिकोत्सव समारोहपूर्वक संपन्न, रंगारंग प्रस्तुतियों की रही धूम

बीएनएम @ रक्सौल। श्री श्याम मंदिर रोड स्थित शहर के अग्रणी शिक्षण संस्थान जयंत अकादमी का 10वां वार्षिकोत्सव गुरुवार को बड़े ही धूमधाम, उत्साह और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच समारोहपूर्वक संपन्न हुआ। बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने अभिभावकों और अतिथियों का मन मोह लिया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भारत विकास परिषद के अध्यक्ष रजनीश प्रियदर्शी, अकादमी के निदेशक नीरज शर्मा, अनुराधा शर्मा एवं हेमंत शर्मा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद मुख्य अतिथि को अंगवस्त्र एवं पुष्प पौधा भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत नन्हे-मुन्ने बच्चों के स्वागत भाषण और गणेश वंदना पर आकर्षक नृत्य प्रस्तुति से हुई, जिसने उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके पश्चात रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई तथा विभिन्न वर्गों के विद्यार्थियों के बीच प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। कबड्डी प्रतियोगिता के बालक एवं बालिका वर्ग के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में शंकर जी के डमरू पर आधारित नृत्य, गब्बर सिंह नृत्य, कक्षा तीन एवं चार की छात्राओं द्वारा "बाबू राव गणपत राव" पर अभिनय, एलकेजी से यूकेजी तक के बच्चों द्वारा "लुक-छुप ना जाओ जी" गीत पर मनोहारी नृत्य तथा महिला सशक्तिकरण पर आधारित विशेष प्रस्तुति ने खूब तालियां बटोरीं। वहीं आलस्य नृत्य और "अनेक धर्म, एक राष्ट्र" जैसे संदेशपरक कार्यक्रमों ने भी दर्शकों को आकर्षित किया। समारोह के दौरान कक्षा में 100 प्रतिशत उपस्थिति और अनुशासन बनाए रखने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। साथ ही विद्यालय की स्थापना काल से अपनी सेवाएं दे रहे शिक्षकों को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। अंत में निदेशक ने अपने समापन संबोधन में कार्यक्रम में उपस्थित सभी अभिभावकों एवं नगर के गणमान्य अतिथियों के प्रति बच्चों का उत्साहवर्धन करने के लिए आभार प्रकट किया। पूरे आयोजन का प्रभावशाली संचालन अंजलि एवं दीपक ने किया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक कुमार पांडेय समेत नगर के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

रसोई गैस की बढ़ती कीमतों व किल्लत के विरुद्ध कांग्रेस का सशक्त प्रतिरोध प्रदर्शन

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार प्रखंड कांग्रेस कमेटी, घोड़ासहन द्वारा अध्यक्ष बृजमोहन सिंह के नेतृत्व में रसोई गैस (एलपीजी) सिलेंडरों की निरंतर बढ़ती कीमतों एवं आपूर्ति में व्याप्त गंभीर किल्लत के विरोध में एक सुसंगठित एवं प्रभावशाली जन-प्रदर्शन गुरुवार को आयोजित किया गया। यह प्रदर्शन घोड़ासहन के रामाशीष सिंह चौक, श्रीपुर में संपन्न हुआ, जहाँ प्रतिभागियों ने केंद्र सरकार की नीतियों के विरुद्ध अपना तीव्र असंतोष व्यक्त करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी और पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी का प्रतीकात्मक पुतला दहन किया। इस कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य एवं ढाका विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी अभिजीत सिंह चौहान की उपस्थिति रही। अपने विचारोत्तेजक संबोधन में उन्होंने केंद्र सरकार की विदेश नीति को "असंतुलित एवं अप्रभावी" बताते हुए कहा कि इसके दुष्परिणाम देश में ऊर्जा संसाधनों की अस्थिरता, गैस की कृत्रिम किल्लत, काला बाजारी तथा पेट्रोल-डीजल की कीमतों में अनिश्चितता के रूप में स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो रहे हैं। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि पेट्रोल एवं डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में आंशिक कटौती के बावजूद आम उपभोक्ताओं को अपेक्षित राहत नहीं मिल रही है, जो प्रशासनिक निगरानी की शिथिलता को इंगित करता है। उन्होंने आगे कहा कि भारत के ईरान एवं खाड़ी देशों के साथ ऐतिहासिक रूप से सुदृढ़ एवं परस्पर सहयोगपूर्ण संबंध रहे हैं, किंतु वर्तमान नीतिगत दृष्टिकोण ने इन संबंधों में अवांछित शिथिलता उत्पन्न कर दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार का सैन्य संघर्ष अंतिम विकल्प होना चाहिए, जबकि संवाद एवं कूटनीति ही दीर्घकालिक समाधान का आधार हो सकते हैं। युद्ध की स्थिति में सर्वाधिक प्रतिकूल प्रभाव सामान्य जनजीवन पर पड़ता है। सरकार को संवेदनशील एवं विवेकपूर्ण निर्णय लेने की आवश्यकता है। केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि वर्तमान शासन आत्मप्रशंसा में अधिक संलग्न है, जबकि जमीनी स्तर पर उसकी नीतियाँ अपेक्षित परिणाम देने में विफल सिद्ध हो रही हैं। उन्होंने विदेश एवं घरेलू नीतियों में व्यापक, संरचनात्मक एवं व्यावहारिक सुधार की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के सचिव बिंदेश्वरी सिंह की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम में प्रखंड के अनेक वरिष्ठ एवं सक्रिय कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की, जिनमें प्रमुख रूप से बाबू नंद सिंह, लखन प्रसाद, आशीष कुमार, अमन आलम, महेंद्र प्रसाद गुप्ता, नितेश्वर कुमार, सुधीर कुमार सिंह, पियूष रंजन यादवाल, मोहन राय, गौरी शर्मा, विकास कुमार, राज मंगल सिंह, सनी कुमार, दिपेंद्र सिंह, रामचंदर बाबू, नरेश राम, दीपक पासवान एवं आशीष पटेल सम्मिलित रहे। वहीं घोड़ासहन प्रखंड के सभी पंचायत अध्यक्ष, बूथ अध्यक्ष, सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों की उल्लेखनीय उपस्थिति ने इस जन-आंदोलन को व्यापक जनसमर्थन प्रदान किया।

भारत-नेपाल संयुक्त पहल से मैत्री पुल क्षेत्र में वृक्षारोपण व सफाई अभियान संपन्न

बीएनएम @ रक्सौल/बीरगंज

रक्सौल/बीरगंज। भारत-नेपाल के संयुक्त तत्वावधान में कस्टम रक्सौल के मैत्री पुल क्षेत्र में वृहत वृक्षारोपण, सफाई एवं पौधों के निरीक्षण का कार्यक्रम भव्य रूप से संपन्न हुआ। वीरगंज महानगरपालिका, ग्रीन सिटी सामुदायिक प्रहरी सेवा केन्द्र, सामुदायिक प्रहरी सेवा केन्द्र आदर्शनगर, सशस्त्र प्रहरी बल नेपाल तथा सशस्त्र सीमा बल (47वीं वाहिनी) के संयुक्त आयोजन में पर्यावरण संरक्षण और शहर की सुंदरता बढ़ाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रकाश खेतान ने की। मुख्य अतिथि के रूप में राजु कार्की उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में विकास अधिकारी (डीएसपी, सशस्त्र प्रहरी भन्सार गुल्म) ने शिरकत की। सशस्त्र सीमा बल 47वीं वाहिनी के सहायक सेनानायक सचिन कुमार अपने बलकर्मियों के साथ कार्यक्रम में मौजूद रहे। इसके अलावा डॉ. किरन पौडेल, युवराज कटुवाल, निर्मला शर्मा, सुमित्रा नेपाल, कविता यादव (आफन्त नेपाल), नगर प्रहरी नायब निरीक्षक लाल प्रसाद लुइटेल तथा सशस्त्र प्रहरी नायब निरीक्षक अनिल कुमार ठाकुर सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अपने संबोधन में सहायक सेनानायक सचिन कुमार ने भारत-नेपाल के आपसी संबंधों की मजबूती पर जोर देते हुए कहा कि इस प्रकार के संयुक्त आयोजन दोनों देशों के बीच विश्वास और सहयोग को और सुदृढ़ करते हैं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण जैसे सामाजिक सरोकारों में दोनों देशों की साझेदारी एक सकारात्मक उदाहरण है। कार्यक्रम के दौरान मैत्री पुल के आसपास व्यापक सफाई अभियान चलाया गया और विभिन्न स्थानों पर पौधे लगाए गए। साथ ही पूर्व में लगाए गए पौधों की स्थिति का निरीक्षण कर उनके संरक्षण, सिंचाई और नियमित देखभाल पर विशेष बल दिया गया। स्थानीय समुदाय, सुरक्षा बलों और विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के संयुक्त प्रयास से आयोजित इस अभियान ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का मजबूत संदेश दिया। आयोजकों ने भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम लगातार जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई।

वरिष्ठ समाजसेवी साधु शरण ठाकुर को पत्रकार भवन में भावभीनी श्रद्धांजलि, शोक सभा आयोजित

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिले के सामाजिक और बौद्धिक जगत से जुड़े पत्रकार सागर सूरज के पिता, वयोवृद्ध अधिवक्ता सह वरिष्ठ समाजसेवी एपीपी साधु शरण ठाकुर के निधन पर पूरे जिले में शोक की लहर है। लंबी बीमारी के बाद 27 मार्च 2026 को उनके निधन से समाजसेवियों, बुद्धिजीवियों और पत्रकारिता जगत को अपूरणीय क्षति पहुंची है। अपनी मिलनसार, हंसमुख और संवेदनशील छवि के कारण वे लोगों के बीच 'साधु बाबा' के नाम से भी लोकप्रिय थे। उनकी स्मृति को सम्मान देने के लिए शहर स्थित पत्रकार भवन में प्रेस क्लब मोतिहारी के तत्वावधान में शोक सभा का आयोजन किया गया। सभा की अध्यक्षता प्रेस क्लब मोतिहारी के अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार संजय कौशिक ने की, जबकि महासचिव राकेश कुमार ने उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। शोक सभा में उपस्थित पत्रकारों और गणमान्य लोगों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा तथा उनके तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने कहा कि साधु शरण ठाकुर केवल एक अधिवक्ता नहीं, बल्कि एक जीवंत और प्रेरणादायी व्यक्तित्व थे। वे दुखी और निराश लोगों के चेहरे पर भी मुस्कान लाने का अद्भुत गुण रखते थे। वक्ताओं ने कहा कि उन्होंने सामाजिक न्याय, मानवीय संवेदना और दीन-दुखियों की सहायता की जो मिसाल पेश की, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनी रहेगी। पत्रकारों ने उन्हें पत्रकारिता और विधिक जगत का सच्चा हितैषी बताते हुए कहा कि उनका जाना पूरे जिले के लिए अपूरणीय क्षति है। शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में नरेंद्र झा, राजन दत्त द्विवेदी, सुजीत कुमार सिंह, कैलाश गुप्ता, अरुण तिवारी, सचिन पांडेय, नीरज कुमार शर्मा, रोहित कुमार, रजनीश कुमार, अमरजीत सिंह, दिग्विजय भारतद्वाज और धर्मेंद्र कुमार उर्फ कपूर सहित बड़ी संख्या में पत्रकार व बुद्धिजीवी शामिल रहे।

एच.एन.पी इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन में वार्षिक परीक्षा परिणाम वितरण समारोह संपन्न

» विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन ने रचा सफलता का नया आयाम

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। एचएनपी इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन में वार्षिक परीक्षा परिणाम वितरण एवं शिक्षक-अभिभावक संवाद समारोह का गरिमामय आयोजन गुरुवार को किया गया। उक्त कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावकों ने अपने बच्चों के साथ उपस्थित होकर परिणाम प्राप्त किए तथा विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता पर संतोष एवं प्रसन्नता व्यक्त की।इस अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को विद्यालय के निदेशक डॉ. रवि अभिषेक द्वारा सम्मानित किया गया। उन्होंने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को सफलता की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह उपलब्धि उनके उज्ज्वल भविष्य की केवल प्रारंभिक सीढ़ी है। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर परिश्रम एवं अनुशासन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। डॉ. अभिषेक ने अभिभावकों की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास में माता-पिता का समय और मार्गदर्शन अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। उनका थोड़ा सा सहयोग बच्चों के भविष्य निर्माण में निर्णायक सिद्ध हो सकता है। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकगण—रोहित, ऋतुराज, राहुल, राज दुबे, राजमोहन श्रीवास्तव, शिक्षिकाएँ मौसमी चटर्जी, गोल्डी, संध्या, लाडली परवीन, मुस्कान, मधु सहित अनेक अभिभावक उपस्थित रहे। समारोह ने विद्यालय, शिक्षक और अभिभावकों के बीच समन्वय और विश्वास को और अधिक सुदृढ़ किया।

गैस सिलेंडर का कालाबाजारी को लेकर कांग्रेसियों ने किया पीएम व पेट्रोलियम मंत्री का पुतला दहन

बीएनएम @ तुरकौलिया

तुरकौलिया। गैस सिलेंडर नही मिलने से आमलोगों की परेशानी बढ़ गई है। इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस पार्टी ने प्रधानमंत्री व पेट्रोलियम मंत्री का पुतला दहन करके विरोध जताया है। बोरिंग चौक पर प्रखंड अध्यक्ष राजकुमार अंजुमन की अध्यक्षता में गैस सिलेंडर रखकर विरोध करते हुए पुतला दहन किया गया है। प्रखंड अध्यक्ष ने बताया कि सरकार के गलत नितियों के कारण एक हजार का गैस सिलेंडर आज कालाबाजार में 25 सौ रुपए में बिक रहा है। विदेश नीति चौपट हो गया है। पेट्रोलियम विभाग द्वारा कोई ठोस व्यवस्था नही होने से आमजनता को काफी परेशानी हो रही है। लकड़ी, कोयला और किरासन तेल भी उपलब्ध नही है। लोगों के घरों में चूल्हा-चौकी बंद हो गया है। पुतला दहन करके मांग की गई है कि गैस सिलेंडर का तुरंत व्यवस्था की जाए। जिससे आमजनता को राहत मिल सके। पुतला दहन करने में रामजयपाल राय, अजीत कुमार, सबहान मंसुरी, शहाबुद्दीन अहमद, डा0 तबरेज आलम, हरेंद्र राम, आनंद कुमार, वाहिद लतीफ, हसमुद्दीन देवान आदि शामिल थे।

ढाका–फुलवरिया घाट पथ निर्माण कार्य का स्थलीय निरीक्षण, अतिक्रमण हटाने व लंबित मुआवजा भुगतान में तेजी लाने के निर्देश

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। भारत माला परियोजना (चोरमा–बैरगनिया पथ) अंतर्गत ढाका से लेकर फुलवरिया घाट तक लंबित निर्माण कार्य का निरीक्षण बुधवार को किया गया। इस दौरान जिला भू-अर्जन पदाधिकारी एवं अनुमंडल पदाधिकारी, सिकरहना (ढाका) ने परियोजना निदेशक, एनएचएआई, अपर जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, पूर्वी चंपारण तथा अंचलाधिकारी, ढाका के साथ संयुक्त रूप से पथ मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया। उक्त निरीक्षण के क्रम में सड़क निर्माण में बाधा उत्पन्न कर रहे अतिक्रमण को शीघ्र हटाने तथा लंबित मुआवजा भुगतान में आ रही कठिनाइयों की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि रैयतों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए कैंप मोड में एलसीएम एवं अन्य आवश्यक कागजातों का निर्माण किया जाए। इसके साथ ही लंबित मुआवजा भुगतान के मामलों में तेजी लाने हेतु परियोजना निदेशक को निर्देशित किया गया कि रैयतों का विवरण जल्द से जल्द पोर्टल पर अपलोड कर भुगतान की प्रक्रिया सुनिश्चित करें। अधिकारियों ने निर्माण कार्य की प्रगति पर संतोष जताते हुए शेष कार्य को समयबद्ध तरीके से पूरा करने पर जोर दिया।

520 बेडेड बालिका आवासीय विद्यालय का डीएम ने किया निरीक्षण, शीघ्र संचालन के निर्देश

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिला पदाधिकारी ने जिला कल्याण पदाधिकारी एवं अभियंताओं के साथ तुरकौलिया स्थित 520 बेडेड बालिका आवासीय विद्यालय परिसर का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान अधिकांश निर्माण कार्य लगभग पूर्णता के करीब पाया गया। जांच में सामने आया कि प्रशासनिक भवन और गर्ल्स हॉस्टल-2 पूरी तरह तैयार हो चुके हैं। वहीं गर्ल्स हॉस्टल-1 तथा शिक्षण कर्मियों के आवासीय भवन का कार्य अंतिम चरण में है, जिसे इस माह के अंत तक पूरा कर लिए जाने की संभावना है। इसके अलावा गैर-शिक्षण कर्मियों के आवासीय भवन का निर्माण कार्य भी तेजी से चल रहा है और इसे पूरा होने में करीब एक माह का समय लग सकता है। निरीक्षण के दौरान जिला पदाधिकारी ने बताया कि विद्यालय का संचालन अगले कुछ दिनों में प्रारंभ कर दिया जाएगा। इसके लिए आवश्यक फर्नीचर की व्यवस्था की जा रही है। साथ ही JEEViKA के माध्यम से किचन स्टाफ की नियुक्ति कर दी गई है, जबकि किचन उपकरणों की खरीद प्रक्रिया जारी है, जिसके पूरा होने में लगभग 15 दिनों का समय लगेगा। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि शेष निर्माण कार्यों को तेजी से पूरा करते हुए निर्धारित समयसीमा के भीतर विद्यालय का संचालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि छात्राओं को समय पर गुणवत्तापूर्ण आवासीय और शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

संक्षिप्त समाचार

बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत, अप्रैल में हर सोमवार-शुक्रवार लगेगा बिल सुधार कैंप

बीएनएम @ रक्सौल। बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड ने बड़ा फैसला लिया है। मुख्यालय के ताजा निर्देश के आलोक में रक्सौल विद्युत प्रमंडल के सभी कार्यालयों में अप्रैल माह के दौरान प्रत्येक सोमवार और शुक्रवार को विशेष शिविर लगाया जाएगा। विद्युत कार्यपालक अभियंता अजय कुमार ने बताया कि बिजली बिलों में त्रुटि के कारण अक्सर उपभोक्ताओं का भुगतान लंबित रह जाता है। इसी समस्या के समाधान और राजस्व वसूली में तेजी लाने के उद्देश्य से यह पहल शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को छोटी-छोटी शिकायतों के लिए बार-बार कार्यालयों का चक्कर न लगाना पड़े, यही विभाग की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि यह कैंप प्रत्येक सोमवार और शुक्रवार को सुबह 11:00 बजे से दोपहर 02:00 बजे तक रक्सौल विद्युत प्रमंडल के अंतर्गत आने वाले सभी प्रशाखा कार्यालयों में आयोजित होगा। शिविर में बिजली बिल सुधार, नया कनेक्शन, स्मार्ट प्री-पेड मीटर से जुड़ी समस्याएं, कृषि कनेक्शन तथा पीएम सूर्य घर योजना से संबंधित आवेदनों का निपटारा किया जाएगा। कार्यपालक अभियंता ने स्पष्ट किया कि कैंप में प्राप्त आवेदनों का निष्पादन मौके पर ही करने का प्रयास किया जाएगा। हालांकि जिन मामलों में मीटर जांच या स्थल निरीक्षण की आवश्यकता होगी, उन्हें अधिकतम तीन दिनों के भीतर अनिवार्य रूप से निष्पादित कर दिया जाएगा। विभाग ने अगले दो महीनों के भीतर सभी लंबित शिकायतों के समाधान का लक्ष्य निर्धारित किया है। अभियान की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि प्रत्येक अंचल के वरीय प्रबंधक (राजस्व) को कैंप का नोडल पदाधिकारी बनाया गया है। शिविर समाप्त होने के बाद हर बार इसकी प्रगति रिपोर्ट मुख्यालय को भेजी जाएगी। स्थानीय विद्युत विभाग ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अप्रैल माह में आयोजित इन विशेष कैंपों में पहुंचकर अपनी बिजली बिल और कनेक्शन संबंधी सभी शिकायतों का त्वरित समाधान कराएं।

भीषण गर्मी में जलापूर्ति और साफ-सफाई में किसी भी स्तर पर न हो कोताहीः प्रेम कुमार

बीएनएम @ गयाजी। समाहारणालय सभागार में बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में जिले की बुनियादी समस्याओं और विकास कार्यों पर गहन मंथन किया गया। बैठक में घरेलू एलपीजी की आपूर्ति, भीषण गर्मी में पेयजल व्यवस्था, अतिक्रमण और यातायात प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए गए।एलपीजी की किल्लत पर जिलाधिकारी (डीएम) ने बताया कि जिले में प्रतिदिन 14,488 सिलेंडरों की मांग है। पैनिक बुकिंग के कारण आए बैकलॉग को अगले तीन-चार दिनों में समाप्त करने और धीमी गति वाली एजेंसियों पर सख्ती बरतने का निर्देश दिया गया। गैस संबंधी शिकायतों के लिए स्थापित कंट्रोल रूम ने 1,301 में से 1,208 मामलों का निपटारा कर दिया है। साथ ही, गर्मी को देखते हुए बोतलों या जार में पेट्रोल-डीजल देने पर रोक लगा दी गई है। शहर को जाम मुक्त करने के लिए केपी रोड से अतिक्रमण हटाने और सफाई व्यवस्था के लिए नगर निगम को चार-पांच जोन में बांटकर मॉनिटरिंग करने को कहा गया है। डीएम ने सड़कों पर वाहनों से होने वाली किसी भी प्रकार की अवैध वसूली पर पूर्ण रोक लगाने और दोषियों पर तत्काल कानूनी कार्रवाई का आदेश दिया।पाइपलाइन प्राकृतिक गैस (पीएनजी) कनेक्शन की धीमी रफ्तार पर नाराजगी जताते हुए डीएम ने टीमों की संख्या बढ़ाकर प्रतिदिन 100 कनेक्शन देने का लक्ष्य रखा। वहीं, ग्रामीण क्षेत्रों में बंद पड़े नल-जल योजनाओं को तुरंत ठीक करने और बोरिंग फेल होने वाले टोलों में तत्काल नई बोरिंग कराकर सार्वजनिक नल लगाने का निर्देश दिया गया है। खाद की कालाबाजारी रोकने हेतु 12 दुकानों के लाइसेंस निलंबित किए गए हैं। बैठक में वरीय पुलिस अधीक्षक, नगर आयुक्त, उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता आपदा, अपर समाहर्ता विधि व्यवस्था, सिविल सर्जन, अनुमण्डल पदाधिकारी सदर, पुलिस उपाधीक्षक यातायात सहित सभी संबंधित विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

आईजीआईएमएस में रोबोटिक सर्जरी से पैनक्रियाज कैंसर का सफल ऑपरेशन

बीएनएम @ पटना। बिहार के प्रतिष्ठित संस्थान इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (आईजीआईएमएस) ने चिकित्सा जगत में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। संस्थान के जीआई सर्जरी विभाग में पहली बार रोबोटिक सर्जरी के माध्यम से ७१ वर्षीय वृद्ध के पैनक्रियाज कैंसर का सफल ऑपरेशन किया गया। दरभंगा के वाजिदपुर निवासी इस मरीज की जांच में कैंसर की पुष्टि होने के बाद, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. मनीष मंडल और डॉ. राकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में छह डॉक्टरों की टीम ने इस जटिल प्रक्रिया को अंजाम दिया।डॉ. राकेश कुमार सिंह ने बताया कि पारंपरिक या दूरबीन विधि (लैप्रोस्कोपिक) से इस तरह के ऑपरेशन में अधिक समय लगता है और अत्यधिक रक्तस्राव का जोखिम रहता है, जिससे मरीज को वेंटिलेटर की आवश्यकता पड़ सकती है। हालांकि, रोबोटिक विधि से यह ऑपरेशन मात्र छह घंटे में संपन्न हो गया और मरीज को अगले ही दिन सामान्य वार्ड में स्थानांतरित कर दिया गया। विशेष बात यह है कि जहां अन्य विधियों में एक लाख रुपये तक का खर्च आता है, वहीं बिहार में पहली बार यह रोबोटिक सर्जरी मात्र ५० हजार रुपये के विशेष पैकेज में की गई।संस्थान के निदेशक डॉ. बिन्दे कुमार ने इस सफलता पर पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि अब बिहार के मरीजों को जटिल ऑपरेशनों के लिए दूसरे राज्यों में जाने की आवश्यकता नहीं होगी। आईजीआईएमएस के विभिन्न विभागों में अब रोबोटिक तकनीक से सस्ते और सुरक्षित ऑपरेशन निरंतर किए जाएंगे, जिससे आम जनता के समय और धन दोनों की बचत होगी।

गरहां मेले में खेसारी लाल यादव के कार्यक्रम में बवाल

बीएनएम @ मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर जिले के गरहां स्थित श्री अर्जुन बाबू पशु मेला में भोजपुरी सुपरस्टार खेसारी लाल यादव के कार्यक्रम के दौरान जबरदस्त हंगामा और अफरा-तफरी मच गई। अपने पसंदीदा कलाकार की एक झलक पाने के लिए दोपहर से ही हजारों की भीड़ जुटी हुई थी, लेकिन कार्यक्रम शुरू होने में हुई देरी ने दर्शकों के धैर्य को जवाब दे दिया। जैसे ही भीड़ बेकाबू होकर मंच की ओर बढ़ी, स्थिति भगदड़ जैसी हो गई।भीड़ को नियंत्रित करने और स्थिति को संभालने के लिए पुलिस को अंततः लाठीचार्ज का सहारा लेना पड़ा, जिससे आयोजन स्थल पर भगदड़ मच गई। इस घटना में कई लोगों के घायल होने की सूचना है, हालांकि आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि अभी शेष है। कार्यक्रम का आयोजन हर वर्ष पूर्व मंत्री रामसूरत राय द्वारा अपने पिता की स्मृति में किया जाता है।आयोजकों ने लाखों की भीड़ जुटने की संभावना के मद्देनजर सुरक्षा के दावे तो किए थे, लेकिन सुपरस्टार की लोकप्रियता के आगे प्रशासन और निजी सुरक्षा गार्डों की व्यवस्था बौनी साबित हुई। फिलहाल, घटनास्थल पर भारी पुलिस बल तैनात है और स्थिति पर नजर रखी जा रही है। इस घटना ने बड़े आयोजनों में भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा मानकों पर एक बार फिर गंभीर सवालिया निशान लगा दिया है।

10वीं-12वीं पास युवाओं को मिलेगी 23,000 तक की नौकरी

बीएनएम @ बेतिया। पश्चिम चम्पारण के शिक्षित बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार का सुनहरा अवसर सामने आया है। जिला नियोजनालय, बेतिया द्वारा 06 अप्रैल से 11 अप्रैल 2026 तक जिले के छह विभिन्न प्रखंडों में जॉब कैंप का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य स्थानीय युवाओं को निजी क्षेत्र में प्रतिष्ठित पदों पर नियुक्त करना है।जिला नियोजन पदाधिकारी के अनुसार, यह भर्ती प्रक्रिया प्रतिदिन सुबह 11:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक संबंधित प्रखंड परिसरों में चलेगी। इस दौरान सिक्योरिटी गार्ड और सुपरवाइजर के कुल 200 पदों पर बहाली की जाएगी। चयनित उम्मीदवारों को 17,000 से 23,000 तक का मासिक वेतन, पीएफ और ईएसआईसी (ESIC) जैसी सुविधाओं के साथ दिया जाएगा। शैक्षणिक योग्यता 10वीं व 12वीं पास और आयु सीमा 20 से 40 वर्ष निर्धारित है।जॉब कैंप का शेड्यूल इस प्रकार हैः 6 अप्रैल को बेतिया, 7 को बगहा-1, 8 को बगहा-2, 9 को रामनगर, 10 को नरकटियागंज और 11 अप्रैल को गौनाहा में शिविर लगेगा। इच्छुक अभ्यर्थियों का NCS पोर्टल पर निबंधन अनिवार्य है। अधिक जानकारी के लिए हेल्पलाइन नंबर 8002661906 पर संपर्क किया जा सकता है।

शिक्षा और अध्यात्म के संगम से अरेराज में डिजिटल क्रांति, 'Physics Vetta' के अत्याधुनिक यूट्यूब स्टूडियो का भव्य शुभारंभ

» आधुनिक डिजिटल मंच आज शिक्षा के सबसे सशक्त माध्यमः बीडीओ

बीएनएम @अरेराज

अरेराज। प्रखंड मुख्यालय स्थित बीआरसी परिसर में शिक्षा, तकनीक और अध्यात्म के अद्भुत संगम का ऐतिहासिक क्षण उस समय देखने को मिला, जब क्षेत्र के मेधावी छात्रों को आधुनिक युग की चुनौतियों के अनुरूप तैयार करने के उद्देश्य से 'Physics Vetta' द्वारा स्थापित अत्याधुनिक यूट्यूब स्टूडियो का भव्य उद्घाटन किया गया। इस गौरवपूर्ण अवसर का शुभारंभ स्वामी रविशंकर गिरी के कर-कमलों द्वारा संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. अलकेश मिश्रा द्वारा प्रस्तुत वैदिक संस्कृत 'मंगलम' पाठ से हुई, जिससे पूरा परिसर आध्यात्मिक ऊर्जा और सकारात्मकता से सराबोर हो उठा। अपने आशीर्वचन में स्वामी रविशंकर गिरी जी ने शिक्षा के साथ संस्कार और अध्यात्म के महत्व पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि आज जब तकनीक जीवन के हर क्षेत्र में प्रभावी हो चुकी है, तब शिक्षा में आध्यात्मिक मूल्यों का समावेश ही विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित कर सकता है। उन्होंने 'Physics Vetta' की इस दूरदर्शी पहल की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए विश्वास जताया कि यह ग्रामीण परिवेश के उन प्रतिभाशाली छात्रों के लिए मील का पत्थर साबित होगी, जो संसाधनों के अभाव में अपनी मंजिल तक नहीं पहुंच पाते। प्रखंड विकास पदाधिकारी आदित्य दीक्षित ने इस डिजिटल नवाचार को समय की मांग बताते हुए कहा कि आधुनिक डिजिटल मंच आज शिक्षा के सबसे सशक्त माध्यम बन चुके हैं। इस अत्याधुनिक स्टूडियो के माध्यम से अब स्थानीय विद्यार्थियों को घर बैठे गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन और प्रतियोगी परीक्षाओं की सटीक तैयारी का अवसर मिलेगा। उन्होंने प्रशासन की ओर से हर संभव तकनीकी और नैतिक सहयोग का आश्वासन भी दिया। समारोह के दौरान 11 अनुभवी विषय विशेषज्ञों की टीम ने विद्यार्थियों से संवाद कर प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के महत्वपूर्ण सूत्र साझा किए। नव सत्र के शुभारंभ के साथ छात्रों को उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर 'लक्ष्य कॉम्पिटिटिव क्लासेज' के निदेशक राजेश सिंह सहित क्षेत्र के कई नामचीन शिक्षाविदों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ा दिया। समन्वयक मिंटू मिश्रा द्वारा कुशलतापूर्वक संचालित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं और अभिभावक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में "जहाँ युवाओं का सम्मान, वहीं देश महान" के उद्घोष के साथ सभी युवाओं से इस नई डिजिटल व्यवस्था से जुड़ने की भावुक अपील की गई। उद्घाटन के बाद पूरे अरेराज क्षेत्र में इस पहल की व्यापक सराहना हो रही है। शिक्षा के लोकतंत्रीकरण और ग्रामीण छात्रों को मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में इसे एक क्रांतिकारी कदम माना जा रहा है।

निबंधन विभाग ने बनाया 8,403 करोड़ का रिकॉर्ड राजस्व

» बिहार में संडे को रजिस्ट्री का फैसला रहा 'गेमचेंजर
» राजस्व संग्रह में दानापुर रजिस्ट्री ऑफिस बना 'चैंपियन

बीएनएम @ पटना

पटना। बिहार सरकार द्वारा रजिस्ट्री कार्यालयों को रविवार और छुट्टियों के दिन भी खुला रखने का निर्णय एक ऐतिहासिक 'गेमचेंजर' साबित हुआ है। इस दूरगामी फैसले की बदौलत निबंधन विभाग ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में 8,403.46 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड राजस्व संग्रह किया है, जो निर्धारित लक्ष्य का 101.86 प्रतिशत है। छुट्टियों में कार्यालय खुलने से न केवल आम जनता को रजिस्ट्री कराने में बड़ी सहूलियत हुई, बल्कि अंतिम दिनों में उमड़ी भीड़ का सीधा लाभ सरकारी खजाने को मिला। राजस्व संग्रहण के मामले में पटना जिला पूरे राज्य में शीर्ष पर रहा। व्यक्तिगत कार्यालयों के प्रदर्शन की बात करें तो दानापुर रजिस्ट्री ऑफिस ने बाजी मारी, जिसने अपने लक्ष्य के मुकाबले 134.11% की शानदार वसूली की। इसके बाद रजौली और पटना सिटी कार्यालयों का स्थान रहा। विशेषज्ञों ने इसे "सुविधा आधारित प्रशासन" का एक उत्कृष्ट उदाहरण बताया है। सरकार की इस पहल से जहां भ्रष्टाचार और बिचौलियों पर लगाम लगी है, वहीं राज्य की आर्थिक स्थिति को भी नई मजबूती मिली है।

एक्शन मोड में आपदा विभागः लू से बचाव की तैयारियों और जल संरक्षण की सचिव स्तर पर होगी मॉनिटरिंग

फसल क्षति का जल्द करें आकलन, किसानों को मिले राहतः सचिव

बीएनएम @पटना

जल संरक्षण और आपदा राहत कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग का आदेश

पटनाः आपदा प्रबंधन विभाग के सचिव डॉ. चंद्रशेखर सिंह के निर्देशानुसार, विभागीय संयुक्त सचिव मो. नदीमुल गफ्फार सिद्दीकी की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें राज्य की वर्तमान आपदा चुनौतियों पर गहन चर्चा हुई। बैठक में मुख्य रूप से गिरते भूजल स्तर पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए संवेदनशील पंचायतों में जल संरक्षण और भूजल पुनर्भरण के लिए ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए गए। संयुक्त सचिव ने स्पष्ट किया कि इन कार्यों की नियमित निगरानी स्वयं विभाग के सचिव स्तर पर की जाएगी। इसके साथ ही, हालिया आंधी-तूफान से प्रभावित किसानों को राहत पहुंचाने के लिए फसल क्षति का शीघ्र आकलन कर मुआवजा राशि का त्वरित भुगतान सुनिश्चित करने का आदेश दिया गया है। अगलगी की घटनाओं से प्रभावित परिवारों को भी अनुग्रह अनुदान, वस्त्र, बर्तन और गृह क्षति सहायता बिना किसी विलंब के उपलब्ध कराने पर बल दिया गया।भीषण गर्मी को देखते हुए विभाग ने 'लू' (हीटवेव) से बचाव के लिए व्यापक तैयारियाँ करने का निर्देश दिया है। इसके अंतर्गत सार्वजनिक स्थानों पर पेयजल की उपलब्धता, छाया की व्यवस्था और स्वास्थ्य सेवाओं की तत्परता सुनिश्चित करने को कहा गया है। सभी जिलों के अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने क्षेत्रों की अद्यतन स्थिति रिपोर्ट नियमित रूप से विभाग को भेजें ताकि समय पर आवश्यक निर्णय लिए जा सकें। इस महत्वपूर्ण बैठक में लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र, एसडीआरएफ और एनडीआरएफ के प्रतिनिधियों सहित सभी जिलों के अपर समाहर्ता (आपदा) और अन्य संबंधित पदाधिकारी ऑनलाइन माध्यम से सम्मिलित हुए।

पर्सा–1 के सांसद हरि पन्त ने पीएम बालेन्द्र शाह के समक्ष उठाए सरिसवा प्रदूषण, कसीनो और अवैध वसूली के मुद्दे

बीएनएम @रक्सौल/बीरगंज

रक्सौल/बीरगंज। पर्सा–1 के सांसद हरि पन्त ने सिंहदरबार स्थित प्रधानमंत्री कार्यालय में आयोजित बैठक के दौरान प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह के समक्ष अपने क्षेत्र से जुड़े कई गंभीर जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाया। मधेश प्रदेश के सांसदों के साथ हुई इस महत्वपूर्ण बैठक में उन्होंने सरिसवा नदी प्रदूषण, किसानों के लिए खाद की कमी, बीरगंज के कसीनो में नेपाली नागरिकों की अवैध एंट्री तथा महानगर क्षेत्र में कथित अवैध वसूली का मामला मजबूती से रखा। सांसद पन्त ने कहा कि सरिसवा नदी में लगातार बढ़ रहे प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए अधिकार संपन्न समिति का गठन कर निश्चित समयसीमा तय की जानी चाहिए, ताकि समस्या का स्थायी समाधान हो सके। उन्होंने किसानों को समय पर पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी बताते हुए इस दिशा में त्वरित कदम उठाने की मांग की। बैठक के दौरान उन्होंने बीरगंज के कसीनो संचालन पर भी सवाल खड़े किए। उनका कहना था कि वहां नेपाली नागरिकों को अवैध रूप से प्रवेश दिया जा रहा है, जिससे स्थानीय परिवार आर्थिक संकट की चपेट में आ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मामले में पुलिस और प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है। इसके अलावा सांसद पन्त ने बीरगंज महानगरपालिका क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर ढाट लगाकर कथित अवैध वसूली किए जाने का मुद्दा भी प्रधानमंत्री के समक्ष रखा। उन्होंने कहा कि इस मामले में प्रमुख जिला अधिकारी और पुलिस प्रमुख के बीच जिम्मेदारी टालने की प्रवृत्ति देखी जा रही है, जिससे आम जनता परेशान है। सांसद की बातों को गंभीरता से सुनने के बाद प्रधानमंत्री शाह ने तत्काल पुलिस महानिरीक्षक और गृह सचिव को आवश्यक निर्देश देने का आश्वासन दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए जायज मुद्दों की जिला प्रशासन और पुलिस नेतृत्व द्वारा अनदेखी स्वीकार्य नहीं होगी। बैठक में दीपक साह, प्रधानमंत्री के राजनीतिक सलाहकार असिम शाह तथा मधेश प्रदेश के अन्य सांसद भी मौजूद थे।

जिम्मेदार विपक्ष बनें तेजस्वी, भावनाओं से न खेलेंः भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

बीएनएम @पटना

पटना। बिहार की राजनीति में तेजस्वी यादव के हालिया बयानों पर भारतीय जनता पार्टी ने तीखा पलटवार करते हुए उन्हें "जिम्मेदार विपक्ष" की भूमिका निभाने की नसीहत दी है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कड़े शब्दों में कहा कि तेजस्वी यादव को बिहारियों की भावनाओं से खेलना बंद करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि तेजस्वी दूसरे राज्यों में जाकर बिहार के बारे में अनर्गल बातें कर रहे हैं, जिससे प्रदेश की छवि धूमिल हो रही है। सरावगी ने स्पष्ट किया कि लोकतंत्र में जनता अपना फैसला सुना चुकी है, अब विपक्ष का काम राज्य की प्रतिष्ठा गिराना नहीं बल्कि विकास के मुद्दों पर रचनात्मक चर्चा करना है।इस विवाद में सुर मिलाते हुए केंद्रीय मंत्री रामकृपाल यादव ने भी तेजस्वी पर प्रहार किया। उन्होंने कहा कि एक जिम्मेदार नेता को सार्वजनिक मंचों पर ऐसे बयान देने से बचना चाहिए जिससे अपने ही राज्य की गरिमा को ठेस पहुंचे। रामकृपाल यादव ने तेजस्वी की तुलना राहुल गांधी से करते हुए कहा कि जिस प्रकार कांग्रेस देश की छवि को लेकर सवाल उठाती रही है, उसी तरह तेजस्वी अब बिहार को लेकर नकारात्मक राजनीति कर रहे हैं। इस जुबानी जंग ने राज्य के सियासी पारे को गरमा दिया है, जिससे आने वाले दिनों में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव और तेज होने के आसार हैं।

अगले महीने तक तैयार हो जाएगा पीएमसीएच पार्किंग का रैंप

» डबल डेकर फ्लाईओवर से सीधे जुड़ेंगे तीन नए रैंप

बीएनएम @पटना

पटना। राजधानी पटना की स्वास्थ्य सेवाओं और यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए पीएमसीएच में बन रही मल्टी लेवल कार पार्किंग को अशोक राजपथ डबल डेकर फ्लाईओवर से जोड़ने का काम अंतिम चरण में है। अंजुमन इस्लामिया हॉल के पास रैंप निर्माण की प्रक्रिया तेजी से चल रही है, जिसके अगले महीने तक पूरा होने की संभावना है। इस परियोजना के अंतर्गत कुल तीन रैंप बनाए जा रहे हैं—दो ऊपरी डेक से और एक निचले डेक से—जो सीधे पार्किंग परिसर में खुलेंगे। लगभग 75 से 100 मीटर लंबे इन रैंपों के लिए तीन सहायक पिलर तैयार किए जा रहे हैं, जिन पर फिलहाल गर्डर और छत ढलाई का कार्य प्रगति पर है।इस कनेक्टिविटी के शुरू होने से मरीजों, उनके परिजनों और विशेष रूप से एम्बुलेंसों को अशोक राजपथ के भीषण जाम से बड़ी राहत मिलेगी। अब वाहन सीधे फ्लाईओवर से उतरकर अस्पताल की पार्किंग में प्रवेश कर सकेंगे, जिससे कीमती समय की बचत होगी। बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड द्वारा क्रियान्वित इस योजना से न केवल ट्रैफिक प्रबंधन में क्रांतिकारी सुधार होगा, बल्कि प्रदेश के सबसे बड़े अस्पताल तक पहुंच भी विश्वस्तरीय और बाधा मुक्त हो जाएगी। अधिकारियों के अनुसार, समयसीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने के लिए निर्माण कार्य युद्धस्तर पर जारी है।

गैस सिलेंडर की कीमतों और किल्लत के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

फूंका प्रधानमंत्री का पुतला

बीएनएम @बगहा

बगहाः बगहा में गुरुवार को रसोई गैस की बढ़ती कीमतों और आपूर्ति में किल्लत के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर आयोजित यह विरोध कार्यक्रम बगहा-1 प्रखंड मुख्यालय परिसर में बगहा नगर और प्रखंड कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ।प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन किया। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष नरेश राम के नेतृत्व में नेताओं ने आरोप लगाया कि गैस की महंगाई और बाजार में इसकी कमी से गरीब व मध्यम वर्ग का बजट बिगड़ गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष दिनेश यादव ने की और संचालन नगर अध्यक्ष तुफैल अहमद द्वारा किया गया।विरोध प्रदर्शन के पश्चात कांग्रेस नेताओं ने अनुमंडल पदाधिकारी चांदनी कुमारी और प्रखंड विकास पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपा, जिसमें गैस की कीमतें कम करने और आपूर्ति व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की गई। इस अवसर पर आब्जर्वर समीक्षा शर्मा, रामाशंकर दूबे, इंजीनियर आसफाक सहित विनोद कुशवाहा, अयुब अंसारी और भारी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अतार्किक एवं दुर्भावना से प्रेरित

जिस दौर में ये शिकायत पहले से है कि कुछ कानूनी एवं अन्य विवादित मसलों का इस्तेमाल व्यापार एवं विदेश नीति में भारत सरकार को झुकाने के लिए किया गया है, ताजा रिपोर्ट डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन का एक और हथियार बन सकती है।

अमेरिका का अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग यूएससीआईआरएफ) वैसे तो पिछले कई वर्ष भारत को 'विशेष चिंता की श्रेणी वाले देशों' की सूची में डालने की सिफारिश करता रहा है, लेकिन इस वर्ष वह कुछ ज्यादा आगे बढ़ गया है। उसने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ-साथ भारत की बाहरी खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) पर भी प्रतिबंध लगाने की सिपारिश कर दी है। अनुमान लगाया जा सकता है कि पहले की तरह ही इस वर्ष भी अमेरिका सरकार इस सिफारिश को नजरअंदाज कर देगी। इसके बावजूद भारत को अमेरिका में उभरे ऐसे रुझानों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। इसलिए कि अमेरिका में प्रशासन चाहे किसी पार्टी का हो, ऐसी रिपोर्टों का इस्तेमाल वह अपने रणनीतिक एवं अन्य हितों को साधने के लिए करता है। धार्मिक स्वतंत्रता, लोकतंत्र, मानव अधिकार आदि जैसे ऊंचे आदर्श अमेरिका के लिए डंडे की तरह हैं, जिनका उपयोग वह अपने मन-माफिक ना चलने वाले देशों पर दबाव बनाने के लिए करता आया है। इस रूप में यूएससीआईआरएफ जैसी उसकी संस्थाएं एक ऐसा हथकंडा हैं, जो दूसरे देशों के आंतरिक मामलों में दखल के लिए अपनी सरकार को उसूल का आवरण प्रदान करती हैं। जिस दौर में ये शिकायत पहले से है कि कुछ कानूनी एवं अन्य विवादित मसलों का इस्तेमाल व्यापार एवं विदेश नीति में भारत सरकार को झुकाने के लिए किया गया है, ताजा रिपोर्ट डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन का एक और हथियार बन सकती है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने रिपोर्ट को पूर्वाग्रह-ग्रस्त और तथ्यात्मक रूप से गलत बताया है, मगर यह विरोध की रस्म-अदायगी भर है। भारतीय हितों के लिहाज से रॉ को विवाद में लाने के दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। इसलिए इस बारे में भारत को अमेरिका के सामने औपचारिक विरोध दर्ज कराना चाहिए। यह कहने का तात्पर्य ये नहीं है कि जिन संगठनों को यूएससीआईआरएफ को निशाना बनाया है, उसके साथ कोई समस्या नहीं है। मगर जो भी है, वह भारत के अंदर की बात है। वह भारत सरकार के सामने मौजूद मुद्दा है। इसका समाधान यहीं निकलेगा। अतः अमेरिकी संस्थाओं का भारत पर प्रतिबंध की बात करना अतार्किक एवं दुर्भावना से प्रेरित माना जाएगा।

नक्सलवाद का अंत, रेडकॉरिडोर का सपना चकनाचूर

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

-क़्या अब भ्रष्टाचार व नशा मुक्ति क़े अंत क़ी अगली ऐतिहासिक डेडलाइन का समय आ गया है? -भारतीय जनता के हर वर्ग की अपेक्षा -समग्र विश्लेषण

जब तक समाज में जुगाड़ और काम निकालने की मानसिकता बनी रहेगी,तब तक भ्रष्टाचार पूरी तरह समाप्त नहीं हो सकता?

नक्सलवाद के खिलाफ़ जैसे जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई गई, वैसे ही भ्रष्टाचार व नशाखोरी के खिलाफ़ भी एक सख्त और समयबद्ध रणनीति बनाई जाने की खास जरूरत है

वैश्विक स्तरपर भारत के समकालीन राजनीतिक और प्रशासनिक विमर्श में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। दशकों तक देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ी चुनौती रहे नक्सलवाद के लगभग अंत की घोषणा के साथ अब राष्ट्रीय एजेंडा एक नए लक्ष्य की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा है,भ्रष्टाचार मुक्त भारत। यह केवल एक नारा या राजनीतिक संकल्प नहीं, बल्कि शासन- प्रणाली, विकास मॉडल और लोकतांत्रिक विश्वसनीयता की परीक्षा है। जिस प्रकार नक्सल मुक्त भारत के लिए एक निश्चित समय-सीमा निर्धारित कर व्यापक रणनीति के साथ कार्य किया गया,उसी प्रकार अब यह प्रश्न उठ रहा है कि क्या भ्रष्टाचार के खिलाफ भी एक ठोस डेडलाइन तय की जानी चाहिए?मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगा कि,अब भारतीय नक्सलवाद क़्रा अध्याय लगभग समाप्ति की ओर है,तो स्वाभाविक रूप से ध्यान देश की दूसरी बड़ी समस्या भ्रष्टाचार की ओर जा रहा है।भ्रष्टाचार जो न केवल आर्थिक संसाधनों की बर्बादी करता है,बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनता के विश्वास को भी कमजोर करता है,आज विकास की राह में सबसे बड़ा अवरोध बन चुका है। सरकारी योजनाओं का लाभ अक्सर अंतिम व्यक्ति तक नहीं पहुंच पाता, क्योंकि बीच में बिचौलियों और भ्रष्ट अधिकारियों का एक जाल सक्रिय रहता है। ऐसे में यह विचार तेजी से उभर रहा है कि जैसे नक्सलवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई गई, वैसे ही भ्रष्टाचार के खिलाफ भी एक सख्त और समयबद्ध रणनीति बनाई जानी चाहिए।सरकारी पैसा सीधे जनता की जेब में यह विचार केवल एक नारा नहीं, बल्कि प्रशासनिक सुधार का एक महत्वपूर्णसिद्धांत है। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण जैसी योजनाओं ने इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है, जिससे लाखों लोगों को बिना किसी बिचौलिए के सीधे लाभ मिला है। लेकिन इसके बावजूद भ्रष्टाचार पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है।फाइलों को जानबूझकर अटकाना, रिश्वत की मांग करना और जांच प्रक्रियाओं को लंबित रखना सबसे बड़ी बात ऊपरी लेवल तक ठेको सहित अन्य करों में 40-50 परसेंट का लेनदेन आज भी आम समस्याएं हैं। इसलिए यह आवश्यक हो गया है कि भ्रष्टाचार के मामलों की जांच के लिए स्पष्ट समय- सीमा तय की जाए और उसमें देरी करने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई केवल कानून और दंड तक सीमित नहीं हो सकती इसको समझने की करें तो, इसके लिए एक व्यापक संस्थागत ढांचे की आवश्यकता है,जिसमें पारदर्शिता,जवाबदेही और नागरिक भागीदारी को प्राथमिकता दी जाए।

शिकायतकर्ताओं को सुरक्षा और त्वरित न्याय का भरोसा देना भी इस प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। अक्सर देखा गया है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने वाले लोगों को ही प्रताड़ना का सामना करना पड़ता है, जिससे अन्य लोग आगे आने से डरते हैं। यदि इस भय को समाप्त नहीं किया गया, तो भ्रष्टाचार के खिलाफ कोई भी अभियान अधूरा रहेगा।अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देखा जाए तो जिन देशों ने भ्रष्टाचार पर प्रभावी नियंत्रण पाया है,उन्होंने सख्त कानूनों के साथ- साथ तकनीकी नवाचार और संस्थागत सुधारों को अपनाया है।सिंगापुर और स्कैंडिनेवियाई देशों के उदाहरण इस संदर्भ में उल्लेखनीय हैं, जहां पारदर्शिता और जवाबदेही को शासन की आधारशिला बनाया गया है। भारत में भी डिजिटल इंडिया, आधार और ई-गवर्नेंस जैसी पहलें इस दिशा में सकारात्मक कदम हैं, लेकिन इनका पूर्ण लाभ तभी मिलेगा जब इन्हें एक व्यापक रणनीति के तहत लागू किया जाए।यह भी महत्वपूर्ण है कि भ्रष्टाचार को केवल एक प्रशासनिक समस्या के रूप में न देखा जाए, बल्कि इसे एक सामाजिक और सांस्कृतिक चुनौती के रूप में भी समझा जाए। जब तक समाज में जुगाड़ और काम निकालने की मानसिकता बनी रहेगी, तब तक भ्रष्टाचार पूरी तरह समाप्त नहीं हो सकता। इसके लिए शिक्षा, जागरूकता और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने की आवश्यकता है।जनता की अपेक्षाएं भी अब बदल रही हैं। लोग केवल घोषणाओं से संतुष्ट नहीं हैं, बल्कि वे परिणाम देखना चाहते हैं। नक्सलवाद के खिलाफ सफलता ने यह विश्वास पैदा किया है कि यदि सरकार ठान ले, तो बड़ी से बड़ी चुनौती का समाधान संभव है। यही विश्वास अब भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में भी दिखाई दे रहा है।

साथियों बात अगर हम नक्सलवाद समाप्ति टारगेट 31 मार्च 2026 की करें तो भारत में नक्सलवाद का इतिहास 1967 में पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी गांव से शुरू हुआ, जब एक छोटे किसान आंदोलन ने हिंसक विद्रोह का रूप ले लिया। प्रारंभ में यह आंदोलन सामाजिक और आर्थिक असमानताओं के खिलाफ आवाज उठाने का माध्यम था, लेकिन समय के साथ यह देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा बन गया। करीब छह दशकों तक चले इस संघर्ष में हजारों लोगों की जान गई, जिनमें सुरक्षा बलों के जवान और आम नागरिक दोनों शामिल थे। लेकिन 2024 में एक निर्णायक मोड़ आया, जब देश के गृह मंत्री ने नक्सलवाद के अंत के लिए 31 मार्च 2026 की डेडलाइन तय की। इसके बाद सुरक्षा बलों, खुफिया एजेंसियों और राज्य सरकारों के समन्वित प्रयासों ने रेड कॉरिडोर के विस्तार को तेजी से सीमित कर दिया। छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में बड़े पैमाने पर ऑपरेशन चलाए गए, नक्सली नेतृत्व को कमजोर किया गया और हजारों कैडरों ने आत्मसमर्पण किया। बस्तर जैसे क्षेत्र, जो कभी नक्सल गतिविधियों के गढ़ माने जाते थे, वहां अब स्कूल, सड़कें और राशन की दुकानें खुलने लगी हैं। यह परिवर्तन केवल सुरक्षा की दृष्टि से नहीं, बल्किसामाजिक और आर्थिक विकास के संकेत के रूप में भी महत्वपूर्ण है।हालांकि, इस उपलब्धि पर राजनीतिक मतभेद भी सामने आए हैं। जहां एक ओर सरकार इसे ऐतिहासिक सफलता के रूप में प्रस्तुत कर रही है, वहीं विपक्ष ने इस दावे पर सवाल उठाए हैं। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा इस मुद्दे पर बहस की चुनौती यह दर्शाती है कि नक्सलवाद का पूर्ण अंत अभी भी एक बहस का विषय है। लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं कि नक्सलवाद का प्रभाव पहले की तुलना में काफी कम हुआ है और देश ने इस दिशा में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

साथियों बात अगर हम नक्सलवाद और भ्रष्टाचार के बीच एक महत्वपूर्ण समानता को समझने की करें तो वह यह है कि दोनों ही विकास और सुशासन के लिए बाधक हैं। जहां नक्सलवाद ने देश के कुछ हिस्सों को विकास की मुख्यधारा से अलग कर दिया, वहीं भ्रष्टाचार ने पूरे देश में संसाधनों के न्यायसंगत वितरण को प्रभावित किया। इसलिए यदि नक्सलवाद के अंत को एक नई आज़ादी के रूप में देखा जा रहा है, तो भ्रष्टाचार से मुक्ति को वास्तविक आज़ादी की दिशा में अगला कदम माना जा सकता है।अब सवाल यह है कि क्या भ्रष्टाचार के खिलाफ भी एक निश्चित डेडलाइन तय की जा सकती है? यह एक जटिल प्रश्न है, क्योंकि नक्सलवाद की तरह यह एक स्पष्ट और सीमित क्षेत्र में फैली समस्या नहीं है। यह समाज और व्यवस्था के हर स्तर पर मौजूद है। लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि इसके खिलाफ ठोस और समयबद्ध कार्रवाई संभव नहीं है। यदि स्पष्ट लक्ष्यों, मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति और प्रभावी कार्यान्वयन के साथ एक रणनीति बनाई जाए, तो निश्चित रूप से इस दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की जा सकती है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि नक्सल मुक्त भारत से भ्रष्टाचार मुक्त भारत की यात्रा केवल एक नीतिगत बदलाव नहीं, बल्कि एक व्यापक राष्ट्रीय परिवर्तन का संकेत है। यह यात्रा आसान नहीं होगी, लेकिन यदि इसे सही दिशा और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ाया जाए, तो यह भारत को एक नए युग में प्रवेश कराने का माध्यम बन सकती है एक ऐसा युग जहां विकास समावेशी हो, शासन पारदर्शी हो और नागरिकों का विश्वास अटूट हो।

-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यम सीए (एटीसी)

बलिदान से जन्मी रोशनीः गुड फ्राइडे का शाश्वत संदेश

योगेश कुमार गोयल

- सूली से उठती शांति की पुकार

(गुड फ्राइडे (3 अप्रैल) पर विशेष)

यीशु (ईसा मसीह) के बलिदान और उनकी शिक्षाओं को याद करने का दिन है 'गुड फ्राइडे'। दरअसल ईसा मसीह ने मानवता की भलाई के लिए बलिदान दिया। ईसाई मान्यता के अनुसार दुनिया को प्रेम, दया, करुणा, परोपकार, अहिंसा, सद्व्यवहार और पवित्र आचरण का संदेश देने वाले यीशु को इसी दिन उस जमाने के धार्मिक कट्टरपंथियों द्वारा क्रॉस पर चढ़ाया गया था। जिस दिन ईसा मसीह ने प्राण त्यागे थे, उस दिन शुक्रवार था और इसी याद में 'गुड फ्राइडे' मनाया जाता है। ईस्टर के रविवार से पहले पड़ने वाले शुक्रवार को मनाया जाता है और इस वर्ष गुड फ्राइडे 3 अप्रैल को मनाया जा रहा है। ईसाई समुदाय द्वारा इस त्यौहार को शोक के रूप में मनाया जाता है। गुड फ्राइडे को यीशु द्वारा मानवता की भलाई के लिए दिए बलिदान के रूप में देखा जाता है। गुड फ्राइडे के दिन गिरजाघरों में घंटा नहीं बजाया जाता बल्कि लकड़ी के खटखटे बजाए जाते हैं और लोग चर्च में क्रॉस को चूमकर यीशु का स्मरण करते हैं। कुछ स्थानों पर लोग काले कपड़े पहनकर प्रभु यीशु के बलिदान दिवस पर शोक भी व्यक्त करते हैं और यीशु से अपने गुनाहों की माफी मांगते हैं। ईसा मसीह के सूली पर चढ़ाए जाने की याद में इस दिन उनके अनुयायी समस्त लौकिक सुविधाओं का त्याग कर देते हैं। इस दिन चर्च और घरों से सजावटी वस्तुएं हटा दी जाती हैं या उन्हें कपड़े से ढ़क दिया जाता है।

कैथोलिकों द्वारा शुरू की गई प्रथा के अनुसार गुड फ्राइडे के ठीक 40 दिन पहले आने वाले बुधवार से ईसाई समुदाय में प्रार्थना और उपवास प्रारंभ हो जाते हैं। इस बुधवार को 'राख का बुधवार' कहा जाता है। उपवास के दौरान लोग केवल शाकाहारी और सात्विक भोजन करते हैं। माना जाता है कि यीशु ने मानव सेवा प्रारंभ करने से पहले चालीस दिन तक व्रत किया था और संभवतः इसीलिए उपवास की यह परम्परा शुरू हुई। इस दिन दुनियाभर के ईसाई सामाजिक कार्यों को बढ़ावा देने के लिए चर्च में चंदा या दान देते हैं। ईसाई धर्म में ईसा मसीह को परमेश्वर का पुत्र माना जाता है। उन्होंने लोगों को क्षमा, शांति, दया, करूणा, परोपकार, अहिंसा, सद्व्यवहार और पवित्र आचरण का उपदेश दिया और उनके इन्हीं सद्गुणों के कारण लोग उन्हें शांति दूत, क्षमा मूर्ति और महात्मा कहकर पुकारने लगे थे। कहा जाता है कि वे यरूशलम के गैलिली प्रांत में लोगों को मानवता, सत्य, एकता, प्रेम, अहिंसा और शांति का उपदेश दिया करते थे। उनके संदेश दूर-दूर तक फैलने लगे और उनके विचारों को लोग अपने जीवन में अपनाने लगे। वहां के लोग उन्हें परमपिता परमेश्वर का दर्जा देने लगे थे। समाज में धार्मिक अंधविश्वास और झूठ फैलाने वाले धर्मगुरूओं को इसी कारण ईसा मसीह से काफी जलन होने लगी थी क्योंकि लोग अपनी समस्याओं को लेकर अब उनके पास नहीं आ रहे थे। करीब दो हजार वर्ष पूर्व उन्हें मृत्युदंड इसीलिए दिया गया क्योंकि वे अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने और घोर विलासिता तथा अज्ञानता के अंधकार को दूर करने के लिए लोगों को शिक्षित और जागरूक कर रहे थे।

ईसा मसीह केवल एक धार्मिक व्यक्तित्व नहीं बल्कि परिवर्तन और करुणा के जीवंत प्रतीक थे। उन्होंने मानव प्रेम की सीमाओं को तोड़ते हुए उसे आत्मकेन्द्रितता और स्वार्थ से परे ले जाने का संदेश दिया। उनका जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि सच्चा प्रेम त्याग, क्षमा और समर्पण में निहित होता है। जब पृथ्वी पर पाप और अन्याय बढ़ रहे थे, तब ईसा ने अपने बलिदान के माध्यम से निःस्वार्थ प्रेम की पराकाष्ठा को चरितार्थ किया। क्रॉस पर उनकी पीड़ा केवल एक व्यक्ति का कष्ट नहीं थी बल्कि संपूर्ण मानवता के उद्धार का प्रतीक बन गई। ईसाई मान्यताओं के अनुसार, क्रूस पर चढ़ाए जाने के तीसरे दिन, रविवार को ईसा मसीह पुनः जीवित हो उठे थे। यही कारण है कि गुड फ्राइडे के बाद आने वाला रविवार 'ईस्टर संडे' के रूप में मनाया जाता है। यह दिन केवल पुनरुत्थान का उत्सव नहीं, बल्कि आशा, नवजीवन और विश्वास की पुनर्स्थापना का संदेश देता है।

कहा जाता है कि पुनर्जीवित होने के बाद ईसा ने लगभग 40 दिनों तक अपने शिष्यों और अनुयायियों को दर्शन दिए, उन्हें सत्य, प्रेम और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। ईस्टर की आराधना विशेष रूप से उषाकाल में की जाती है। मान्यता है कि पुनरुत्थान का यह चमत्कार प्रातःकाल ही हुआ था और सबसे पहले मरियम मदीलिनी ने ईसा को जीवित देखा था। यह प्रसंग इस तथ्य को भी उजागर करता है कि सत्य और आस्था का प्रकाश सबसे पहले उन हृदयों में जागृत होता है, जो श्रद्धा और विश्वास से परिपूर्ण होते हैं। इस प्रकार, गुड फ्राइडे हमें त्याग, धैर्य और प्रेम की शिक्षा देता है तो ईस्टर संडे जीवन में आशा और नवचेतना का संदेश लेकर आता है। दोनों मिलकर यह बताते हैं कि अंधकार चाहे कितना भी गहरा क्यों न हो, अंततः प्रकाश और सत्य की ही विजय होती है।

(लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और 'सागर से अंतरिक्ष तकः भारत की रक्षा क्रांति' सहित कई पुस्तकों के लेखक हैं)

मेष राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज लोग आपके विचारों को सुनने के लिए बहुत उत्सुक होंगे। इस राशि के लोगों को आज किसी करीबी से खुशखबरी मिल सकती है। करियर के मामले में आपके ऊपर अपनी क्षमता से अधिक जिम्मेदारियां आ सकती हैं। आज फैसला सोच-समझ कर लेंगे और सोचे हुए काम पूरे करने की कोशिश करेंगे। आज आपका दांपत्य जीवन पहले की अपेक्षा काफी सुखद हो जायेगा।

वृषःआज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहेगा। आज आपके मन की इच्छा पूरी होगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। भविष्य को बेहतर बनाने के लिए नये कदम उठाएंगे। आर्थिक स्थिति आपके पक्ष में रहेगी। लवमेट के साथ रिश्तों में मिठास आयेगी। आपके मन में कुछ बड़ा करने का विचार आयेगा। आज भरोसेमंद लोगों से समय पर सही सलाह और मदद मिल जायेगी।

मिथुनःआज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आपको नौकरी के लिए अच्छी खबर प्राप्त हो सकती है। इस राशि के लेखकों के लिए आज का दिन बहुत बढ़िया है। रचनात्मक कार्यक्षेत्र से जुड़े लोगों को नई स्टोरी लिखने के लिए मिल सकती है। आज आपका करियर नये रूप में उभरेगा। साथियों से मदद मिल सकती है। पार्टनर के सहयोग से आप सफल हो सकते हैं। आज के दिन गणेश जी को लड्डू चढ़ाएं, आपकी सभी परेशानियों का निवारण होगा।

कर्कःआज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आप ज्यादा समय परिवार वालों के साथ बितायेंगे। जीवनसाथी के साथ कहीं हील स्टेशन पर घूमने की प्लानिंग कर सकते हैं। आज किसी स्थिति को लेकर ज्यादा सोचने की बजाय उस पर एक्शन लेना बेहतर होगा। आज सब कुछ अपने सोचे हुए तरीके से होने की उम्मीद न रखें, तो बेहतर होगा। परिवार में विवाद की स्थिति बन सकती है। आपको अपने गुस्से पर काबू रखने की जरूरत है।

सिंहः आज आपका दिन सामान्य रहेगा। आज जिस काम को पूरा करना चाहेंगे, उस काम में थोड़ी रूकावटें आ सकती है। किसी पुराने मित्र से मिलने उसके घर जा सकते हैं। आज रिश्तों में सुधार लाने के लिए दिन अच्छा है। आज शाम तक घरेलू सामान खरीदने के लिए मार्केट जा सकते हैं। आज बात सोच-विचार कर ही कहें, वरना थोड़ी परेशानी में पड़ सकते हैं।

कन्याःआज किस्मत आपके साथ रहेगी। जिस काम को कई दिनों से पूरा करने की सोच रहे हैं, वो आज किसी फ्रेंड की मदद से पूरा हो जाएगा। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बेहतर है। आज आप तरोताजा महसूस करेंगे। आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। कहीं से बड़ी खुशखबरी मिलेगी। करियर में नए अवसरों का फायदा आपको मिलेगा।

तुलाः आज आपका दिन सामान्य रहेगा। अगर आप काम को करते समय अपने मन को शांत रखेंगे, तो आपका काम आसानी से सफल होगा। किसी भी काम में जल्दबाजी करने से आपको बचना चाहिए। इस राशि के लोग आज अपनी फैमिली में अपने रिश्ते के बारे में बात करेंगे जल्द ही शादी तय हो सकती है।

वृश्चिकः आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज दोस्तों और परिजनों के साथ खुशियां मनाएंगे। आज आपके व्यक्तित्व से लोग आकर्षित होंगे। मानसिक तौर पर खुद को स्ट्रॉन्ग महसूस करेंगे। आपके मन की सारी शंकाएं दूर होगी। परिवार और समाज के लोग आपके लिए काफी मददगार हो सकते हैं। आपकी बातों का गहरा असर भी लोगों पर होगा।

धनुःआज आपके मन में नए विचार उत्पन्न होंगे। आपको परिवार से जुड़ी कई जिम्मेदारियां निभानी पड़ सकती हैं, जिसमें आप सफल होंगे। आज आपको कुछ विशेष अवसरों का फायदा मिलेगा। आसपास के लोगों या साथ काम करने वालों की तारीफ करने से आपको मनोबल बढ़ेगा। आपको लोगों का सहयोग मिलेगा। धन लाभ के बड़े मौके मिलेंगे।

मकरःआज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। इस राशि के इंजीनियर्स के लिए आज का दिन फायदेमंद रहेगा। किसी कंपनी से जॉब के लिए कॉल आ सकती है। मन में किसी मामले को लेकर थोड़ी बेचैनी हो सकती है। मन भटक सकता है। आज आसपास के किसी व्यक्ति के बारे में आपको गलतफहमी हो सकती है। धैर्य रखने सब अच्छा होगा।

कुंभः आज आपका रूझान आध्यात्म की तरफ रहेगा। किसी धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने की योजना बना सकते हैं। आज आपको आनंद की प्राप्ति होगी। आज खुद को फीट महसूस करेंगे। दिन खत्म होते-होते आपको शुभ समाचार मिलेगा।

मीनः आज आपका दिन पहले की अपेक्षा बेहतर रहेगा। आपकी किस्मत आपका पूरा साथ देगी। आप अपने कार्यक्षेत्र में बेहतर ढंग से काम करेंगे। आज आपको किसी व्यापारिक समारोह में शामिल होने का मौका मिल सकता है। अपनी मेहनत से काम निश्चित तौर पर पूरे होंगे।

बुज़ुर्गों के भरण-पोषण के लिये एक सराहनीय पहल

ललित गर्ग

भारतीय संस्कृति में माता-पिता को देवतुल्य माना गया है-"मातृदेवो भव, पितृदेवो भव" केवल शास्त्रों की पंक्ति नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक संरचना की आत्मा रही है। इसलिए यह किसी भी सभ्य समाज के लिए अत्यंत शर्मनाक स्थिति है कि जन्म देने और पालन-पोषण करने वाले माता-पिता को जीवन की सांझ में उपेक्षा, अपमान और आर्थिक असुरक्षा का सामना करना पड़े, और उन्हें अपने ही बच्चों से गुजारा भत्ता पाने के लिए कानून और प्रशासन का सहारा लेना पड़े। दुर्भाग्य से यह आज के समय की कठोर वास्तविकता बनती जा रही है। बुढ़ापा अपने आप में एक बड़ी चुनौती है। उम्र बढ़ने के साथ शरीर की क्षमताएं कम होने लगती हैं, बीमारियां बढ़ने लगती हैं और आय के स्रोत लगभग समाप्त हो जाते हैं। सेवानिवृत्ति के समय जो थोड़ी बहुत जमा-पूंजी होती है, वह बच्चों की पढ़ाई, शादी-ब्याह और मकान बनाने में खर्च हो जाती है। सरकारी नौकरी करने वालों को पेंशन मिल भी जाती है, लेकिन निजी क्षेत्र या छोटे व्यवसाय से जुड़े लोगों की स्थिति अधिक कठिन हो जाती है। ऐसे समय में यदि बच्चे ही माता-पिता की देखभाल न करें तो यह केवल पारिवारिक विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक अपराध की श्रेणी में आता है।

इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए तेलंगाना विधानसभा द्वारा पारित "तेलंगाना कर्मचारी जवाबदेही और माता-पिता सहायता निगरानी विधेयक 2026" एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक पहल के रूप में सामने आया है। इस विधेयक का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यदि बच्चे अपने माता-पिता की देखभाल नहीं करते, तो उनके वेतन से एक निश्चित राशि काटकर माता-पिता को दी जाए। यह कानून सरकारी कर्मचारियों के साथ-साथ निजी क्षेत्र के कर्मचारियों, सांसदों, विधायकों और स्थानीय निकायों के जनप्रतिनिधियों पर भी लागू होगा। इस प्रकार यह कानून केवल एक कानूनी प्रावधान नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी को कानूनी रूप देने का प्रयास है। हालांकि भारत में पहले से "माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007" मौजूद है, लेकिन तेलंगाना का यह नया विधेयक अधिक व्यापक, संवेदनात्मक और प्रभावी माना जा रहा है। इसमें प्रावधान है कि यदि बच्चे माता-पिता की देखभाल नहीं करते, तो शिकायत मिलने पर उनके वेतन से पंद्रह प्रतिशत या दस हजार रुपये (जो भी कम हो) काटकर माता-पिता के खाते में जमा किए जाएंगे। शिकायत का निस्तारण जिला कलेक्टर द्वारा साठ दिनों के भीतर किया जाएगा और इसके लिए वरिष्ठ नागरिक आयोग का गठन भी किया जाएगा। इस कानून का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि इसमें केवल जैविक माता-पिता ही नहीं, बल्कि सौतेले माता-पिता भी शिकायत कर सकते हैं।

यह कानून इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आज भारतीय परिवार व्यवस्था तेजी से बदल रही है। संयुक्त परिवार टूटकर एकल परिवार में बदल चुके हैं और अब तो एक व्यक्ति परिवार की अवधारणा भी विकसित हो रही है। करियर की दौड़, आर्थिक दबाव, शहरी जीवनशैली, सुविधावाद और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की बढ़ती भावना ने परिवार की पारंपरिक संरचना को कमजोर किया है। कई बार माता-पिता को घर से निकालकर वृद्धाश्रम भेज दिया जाता है, और यदि घर में रख भी लिया जाए तो उन्हें उपेक्षा, तिरस्कार और मानसिक पीड़ा सहनी पड़ती है। उनकी दवाइयों, भोजन और देखभाल तक में लापरवाही बरती जाती है। ऐसी परिस्थितियों में यह प्रश्न उठता है कि क्या माता-पिता की सेवा केवल संस्कारों से सुनिश्चित की जा सकती है या इसके लिए कानून की भी आवश्यकता है? आदर्श स्थिति में तो संस्कार ही पर्याप्त होने चाहिए। भारतीय इतिहास और परंपरा में माता-पिता की सेवा के अनेक प्रेरक उदाहरण मिलते हैं। श्रवण कुमार का उदाहरण तो भारतीय संस्कृति में आदर्श पुत्र का प्रतीक बन चुका है, जिसने अपने अंधे माता-पिता को कंधे पर बैठाकर तीर्थ यात्रा करवाई। इसी प्रकार भगवान श्रीराम ने पिता के वचन को निभाने के लिए राजपाट छोड़कर वनवास स्वीकार किया। यह केवल धार्मिक कथाएं नहीं, बल्कि भारतीय समाज की नैतिक संरचना के आदर्श हैं।

इतिहास में छत्रपति शिवाजी, महात्मा गांधी, स्वामी विवेकानंद जैसे अनेक व्यक्तित्वों के जीवन में भी माता-पिता के प्रति गहरी श्रद्धा और सम्मान देखने को मिलता है। इससे स्पष्ट होता है कि माता-पिता के प्रति सम्मान और सेवा भारतीय संस्कृति की मूल आत्मा रही है। लेकिन आज जब संस्कार कमजोर हो रहे हैं, तब समाज को कानून का सहारा लेना पड़ रहा है। लेकिन इस पूरे विषय को केवल एकतरफा दृष्टि से देखना भी उचित नहीं होगा। यह भी एक सच्चाई है कि कई बार माता-पिता भी बच्चों के प्रति अत्यधिक अनुशासन, नियंत्रण और अपेक्षाओं का दबाव बनाते हैं। वे चाहते हैं कि बच्चे हमेशा उनकी इच्छाओं के अनुसार ही जीवन जिएं, अपने निर्णय स्वयं न लें, विवाह, करियर, जीवनशैली हर चीज में माता-पिता की इच्छा सर्वोपरि रहे। कई बार माता-पिता बच्चों की निजी जिंदगी में अत्यधिक हस्तक्षेप करते हैं, जिससे परिवार में तनाव उत्पन्न होता है। ऐसी परिस्थितियों में बच्चों और माता-पिता के बीच दूरी बढ़ जाती है और पारिवारिक वातावरण तनावपूर्ण हो जाता है।

इसलिए समस्या का समाधान केवल कानून नहीं है, बल्कि परिवार के भीतर संतुलन, संवाद और समझ भी उतनी ही आवश्यक है। बच्चों को यह समझना चाहिए कि माता-पिता ने उनके लिए अपना पूरा जीवन समर्पित किया है, इसलिए बुढ़ापे में उनकी सेवा और सम्मान उनका नैतिक कर्तव्य है। वहीं माता-पिता को भी यह समझना चाहिए कि समय बदल गया है, नई पीढ़ी की जीवनशैली और सोच अलग है, इसलिए उन्हें बच्चों को समझने और उन्हें स्वतंत्रता देने की आवश्यकता है। वास्तव में परिवार एक संस्था है, जो प्रेम, त्याग, सम्मान और संवाद पर चलती है, न कि केवल अधिकार और अनुशासन पर। जहां केवल अधिकार होंगे, वहां टकराव होगा; जहां केवल त्याग होगा, वहां असंतुलन होगा; लेकिन जहां प्रेम और संतुलन होगा, वहां परिवार मजबूत होगा।

तेलंगाना का यह कानून एक महत्वपूर्ण पहल है, लेकिन यह अंतिम समाधान नहीं है। कानून बच्चों को माता-पिता का भरण-पोषण करने के लिए मजबूर कर सकता है, लेकिन वह प्रेम, सम्मान और संवेदना पैदा नहीं कर सकता। इसके लिए समाज में नैतिक शिक्षा, पारिवारिक संस्कार और सामाजिक जागरूकता की आवश्यकता है। स्कूलों में, सामाजिक संस्थाओं में और धार्मिक संगठनों में परिवार और बुजुर्गों के सम्मान की शिक्षा दी जानी चाहिए। आज "नया भारत" और "विकसित भारत" की बात की जा रही है, लेकिन केवल आर्थिक विकास ही पर्याप्त नहीं है। यदि समाज में बुजुर्ग असुरक्षित, उपेक्षित और अपमानित होंगे, तो विकास अधूरा रहेगा। वास्तविक विकास वही है जिसमें समाज का हर वर्ग-बच्चे, युवा, महिलाएं और बुजुर्ग सुरक्षित और सम्मानित जीवन जी सकें।

अतः आवश्यक है कि हम तीन स्तरों पर कार्य करें-पहला, सरकार और कानून बुजुर्गों की आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करें। दूसरा, समाज में माता-पिता के सम्मान और सेवा के संस्कार विकसित किए जाएं।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

चहल ने कॉनली की जमकर प्रशंसा की, आईपीएल की खोज साबित होंगे

एजेंसी, मुम्बई

अनुभवी स्पिनर युजवेंद्र चहल ने अपनी टीम पंजाब किंग्स की ओर से खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज कूपर कॉनली की जमकर प्रशंसा की है। कॉनली ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ पहले ही मैच में तेजी से अर्धशतक लगाकर सबका ध्यान खींचा है। चहल ने कहा कि युवा बल्लेबाज कॉनली इस सत्र की खोज साबित होंगे। कॉनली ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में नाबाद 72 रन बनाकर पंजाब किंग्स की जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

कॉनली तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे और अंत तक नाबाद रहे। उन्होंने अपनी अर्धशतकीय पारी में 5 चौके और 5 छक्के लगाये। चहल ने इस युवा की तारीफ करते हुए कहा, 'वह अभी केवल 22 साल का है पर उसमें जीत का जुनून है। इच्छा है। नंबर तीन पर बल्लेबाजी करते हुए अपने पहले ही मैच में जिस प्रकार से मैच विजेता पारी खेली उसकी जितनी सराहना की जाये कम है। उसके खेलने के तरीके से अंदाज होता है कि वह मानसिक रूप से मजबूत है।'गुजरात के खिलाफ तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए कॉनली एक छोड़ पर टिके रहे और लगातार रन बनाने रहे। चहल ने कहा, 'वह हालात के अनुसार बल्लेबाज करना जानता है। उसे पता था कि उसे ही अंत तक पारी को ले जाना होगा। इससे उसकी परिपक्वता का अंदाजा होता है। यह हमारी टीम के लिए एक अच्छा संकेत है।' उन्होंने कहा, 'वह जिस तरह से बल्लेबाजी कर रहा है मुझे लगता है कि वह इस सत्र की सबसे बड़ी खोज में से एक होगा।'

पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे चहल ने इस मैच में अच्छी गेंदबाजी करते हुए 28 रन देकर दो विकेट लिए। उन्होंने बीच के ओवरों में गुजरात पर दबाव बनाए रखा और रन नहीं बनाने दिये। चहल ने गेंदबाजी में अपनी रणनीति के बारे में कहा, 'विकेट थोड़ा धीमा था, इसलिए हम अधिक गति से गेंद नहीं फेंकना चाहते थे। हमारी रणनीति यह थी कि अगर बल्लेबाज लंबे शॉट लगाते हैं, तो यह हमारे लिए अच्छा रहेगा।' कॉनली के अलावा पंजाब किंग्स के अन्य प्रमुख बल्लेबाज मुकाबले में विफल रहे। चहल ने कहा कि जो बल्लेबाज पहले मैच में विफल रहे है अगले मैच में लय हासिल कर लेंगे। आमतौर पर ऐसा होता रहता है। इस लिए इसमें चिंता की कोई बात नहीं है।

हार के बाद ऋषभ पर भड़के संजीव गोयनका, प्रशंसकों को याद आया के एल राहुल वाला मामला

एजेंसी, लखनऊ

लखनऊ सुपर जाएंट्स की टीम को आईपीएल के 19 सत्र में पहले ही मैच में करारी हार का सामना करना पड़ा है। दिल्ली कैपिटल्स से मिली 6 विकेट की हार के बाद सुपर जाएंट्स के मालिक संजीव गोयनका कप्तान ऋषभ पंत पर भड़क गये। जिससे एक बार फिर 2024 आईपीएल की यादें ताजा हो गयीं जब गोयनका उस समय कप्तान रहे के एल राहुल पर भड़क गये थे। इस बार दिल्ली के खिलाफ हुए मुकाबले में लखनऊ की बल्लेबाज बेबस नजर आयी और पूरी टीम 141 रन ही बना पायी। टीम अपने 20 ओवर भी नहीं खेल पायी। सुपर जाएंट्स की इस हार के बाद का एक वीडियो सोशल मीडिया में आया है। इसमें टीम मालिक संजीव गोयनका ऋषभ और टीम के सहयोगी स्टार के साथ मैदान में बातें करते दिखे। वह क्या बात कर रहे हैं यह तो पता नहीं चहला है पर प्रशंसकों का मानना है कि वह अपनी भड़ास निकला रहे थे। आईपीएल 2024 के दौरान भी गोयनका का इसी प्रकार राहुल के साथ बहस करने का एक वीडियो भी आया था। उस वीडियो में गोयनका सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 10 विकेट से मिली हार के बाद राहुल पर भड़कते हुए दिखे थे। राहुल ने हालांकि कभी इस मामले पर कोई बयान नहीं दिया पर उस सत्र के बाद उन्होंने टीम छोड़ दी थी। वहीं उसके बाद कप्तानी संभालने वाले ऋषभ के साथ भी इसी तरह का व्यवहार करने से संजीव गोयनका पर कई सवाल भी उठ रहे हैं। वहीं एक प्रशंसक ने सोशल मीडिया में लिखा, 'पहले राहुल थे, अब ऋषभ हैं। जीतना और हारना खेल का हिस्सा है पर इस प्रकार सबके सामने किसी का अपमान करना सही नहीं है। साथ ही कहा कि अगर गोयनका को कोई चिंता है, तो वह ड्रेसिंग रूम में होनी चाहिए, राहुल और ऋषभ जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को मीडिया के सामने लेक्चर देना जुनून कम और बॉस जैसा ज्यादा लगता है जो यह दिखाने की कोशिश कर रहा है कि प्रभारी कौन है। उन खिलाड़ियों का सम्मान करें जो अपना सब कुछ देते हैं।' वहीं एक प्रशंसक ने लिखा, 'हार के बाद गोयनका ऋषभ पंत और कोचिंग स्टाफ से बात कर रहे हैं। गोयनका को राहुल के साथ दिखाया गया व्यवहार पसंद नहीं आया था, आज का मैच हारने के बाद उन्होंने फिर से ऋषभ के साथ वैसा ही व्यवहार किया है।

गुजरात टाइटंस को काफी सुधार की जरुरत : चोपड़ा

एजेंसी, नई दिल्ली

पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि गुजरात टाइटन्स को इस सत्र में अगर अच्छा प्रदर्शन करना है तो उसके कप्तान शुभमन गिल, जोस बटलर और साई सुदर्शन सहित शीर्ष क्रम को अधिक से अधिक रन बनाने होंगे। चोपड़ा के अनुसार गुजरात की कमजोरी ये है कि वह वह अपनी शीर्ष बल्लेबाजों पर ही निर्भर है और जब ये असफल होते हैं तो वह ढ़ह जाती है। चोपड़ा के अनुसार पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले में भी ये बात साबित हुई है। इस मैच में दिखा है कि टीम के कुछ खिलाड़ियों के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी भी है। चोपड़ा ने कहा, जीत के लिए टाइटन्स के लिए शीर्ष तीन बल्लेबाजों को अधिक से अधिक रन बनाकर टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाना होगा। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए भी इन्हें अधिक से अधिक ओवर खेलने होंगे। इसका कारण है कि टीम में मध्य और निचले क्रम ने अभी तक अपने को साबित नहीं किया है। उन्होंने कहा, ग्लेन फिलिप्स अब तक 25 रन से अधिक नहीं बना पाये हैं जबकि उनसे अच्छे स्कोर की उम्मीद की जाती है। इसके अलावा स्पिन ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर को भी आक्रामक बल्लेबाजी करनी होगी। चोपड़ा ने टीम के चयन और बल्लेबाजी क्रम पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, शाहरुख खान की जगह पर कुमार कुशाग्र को शामिल किया जाना चाहिये था। गुजरात को अपने चौथे, पांचवें और छठे नंबर के बल्लेबाजों में बदलाव करना होगा। चोपड़ा ने कहा कि शुभमन गिल को भी अच्छी रणनीति बनानी होगी। उन्होंने कहा, उनकी रणनीति अब तक विफल रही है। पंजाब के खिलाफ उन्होंने गेंदबाजों को सही से उपयोग नहीं किया। प्रसिद्ध कृष्णा को काफी देर से गेंदबाजी दी गयी।

वैभव को अभी शामिल करने की जल्दी न करें : अश्विन

एजेंसी, चेन्नई

उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने जिस प्रकार आईपीएल के अपने पहले ही मैच में आक्रामक पारी खेली है। उसके बाद से ही कई दिग्गजों ने उसे राष्ट्रीय टीम में शामिल करने की मांग की है। वैभव ने पहले ही मैच में 15 गेंदों में अर्धशतक लगा दिया था। वहीं पिछले सत्र में वैभव ने 35 गेंद में शतक लगाकर अपनी पहचान बनायी थी। उसके बाद से ही वह नये नये रिकार्ड बनाते जा रहे है। इसके बाद भी अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि वैभव अभी बच्चा है और उसे इतनी जल्ली राष्ट्रीय टीम में लाने की कोई जरुरत नहीं है, इससे उसपर बेवजह दबाव ही पड़ेगा। अश्विन ने कहा कि वैभव को शामिल करने में जल्दबाजी की जरुरत नहीं है हालांकिवैभव को शामिल करने की मांग देश ही नहीं विदेश के दिग्गज पूर्व क्रिकेटरों की तरफ से भी आई है।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन के अनुसार वैभव अब अगले चरण के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा कि अगर उनके हाथ में होता तो वह सूर्यवंशी को इस साल इंग्लैंड का दौरा करने जाने वाली भारतीय टीम में जरूर रखते। भले ही उन्हें हर मैच नहीं खिलाते लेकिन टूर पर जरूर ले जाते। कुछ मैच खिलाते। इसी तरह महान लेग स्पिनर अनिल कुंबले और पूर्व सलामी बल्लेबाज नवजोत सिंह सिद्धू भी इस पक्ष में हैं कि अगर वैभव सूर्यवंशी इसी तरह का प्रदर्शन जारी रखते हैं तो उन्हें भारतीय टीम में लिया जाना चाहिये। वहीं अश्विन ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने से वैभव पर दबाव बनेगा, जिसकी अभी जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, 'उसे इस तरह का बोझ मत दीजिए। वह अभी बड़ा नहीं हुआ है। वह अभी बच्चा है।

अगर एमएस धोनी 45 की उम्र तक खेल रहे हैं तो सूर्यवंशी अगर 40 तक भी खेले तो उसके पास अभी ढाई दशक का क्रिकेट बचा हुआ है। उसे अकेला छोड़ दीजिए, वह सही समय पर अपने-आप आ जाएगा।' अश्विन ने कहा कि वैभव काफी अच्छा है और वह भारत की ओर से खेलने पर अभी उसमें समय है। इसलिए सभी को इंतजार करना चाहिये।

बिजनेस

स्टॉक मार्केट में अमीरचंद जगदीश कुमार ने किया निराश, कमजोर लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी, नई दिल्ली

एयरोप्लेन ब्रैंडनेम से बासमती चावल का निर्यात करने वाली कंपनी अमीर चंद जगदीश कुमार के शेयरों ने आज जबरदस्त गिरावट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 212 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 10.38 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 195 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 5.66 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 200 रुपये के स्तर पर हुई। कमजोर लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण कंपनी के शेयर की चाल में और कमजोरी आ गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर बारह बजे के थोड़ी देर पहले ही ये शेयर बीएसई में फिसल कर 175.50 रुपये के और एनएसई में 180 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 32 रुपये से लेकर 36.50 रुपये यानी 15.09 प्रतिशत से लेकर 17.22 प्रतिशत तक का नुकसान हो चुका है।

अमीर चंद जगदीश कुमार का 440 करोड़ रुपये का आईपीओ 24 से 27 मार्च के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 3.41 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.18 गुना (एक्स एंकर) सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 13.40 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.44 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 2,07,54,716 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ में शेयरों की बिक्री के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 17.50 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 30.41 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 60.82 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक कंपनी को 48.65 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है।

केंद्र ने 30 जून तक महत्वपूर्ण पेट्रोरसायन उत्पादों को पूर्ण सीमा शुल्क से छूट दी

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में बाधाओं के बीच एक बड़ा फैसला लेते हुए महत्वपूर्ण पेट्रोकेमिकल उत्पादों के आयात पर पूर्ण सीमा शुल्क से छूट दे दी है। यह छूट 30 जून तक लागू रहेगी, जिसका उद्देश्य घरेलू उद्योगों को सस्ती कच्ची सामग्री उपलब्ध कराना और अंतिम उत्पादों की कीमतें स्थिर रखना है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक केंद्र सरकार ने यह छूट आपूर्ति स्थिरता सुनिश्चित करने और अंतिम उत्पादों पर उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए दी है। इससे प्लास्टिक, पैकेजिंग, वस्त्र, दवा, रसायन, मोटर वाहन घटक तथा अन्य विनिर्माण क्षेत्रों जैसे पेट्रोरसायन 'फीडस्टॉक' और 'इंटरमीडिएट' पर निर्भर उद्योगों को लाभ मिलेगा। सरकार ने यह कदम एक अस्थायी एवं लक्षित राहत उपाय के रूप में उठाया गया है, ताकि घरेलू उद्योग के लिए आवश्यक पेट्रोरसायन आपूर्ति की उपलब्धता बनी रहे, 'डाउनस्ट्रीम' क्षेत्रों पर लागत का दबाव कम हो और देश में आपूर्ति स्थिरता सुनिश्चित की जा सके। इससे अंतिम उत्पादों के उपभोक्ताओं को भी राहत मिलेगी। वित्त मंत्रालय के अनुसार इसके अलावा मेथनॉल, एनहाइड्रस अमोनिया, टॉलुइन, स्टाइरीन, डाइक्लोरोमिथेन (मेथिलीन क्लोराइड), विनाइल क्लोराइड मोनोमर, पॉली ब्यूटाडाइन, स्टाइरीन ब्यूटाडाइन और अनसैचुरेटेड पॉलिएस्टर रेजिन को सीमा शुल्क छूट दी गई है। सरकार ने पिछले हफ्ते वैश्विक कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के असर से उपभोक्ताओं को बचाने के लिए पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क 10 रुपये प्रति लीटर तक घटा दिया था। इसके साथ ही डीजल पर 21.50 रुपये प्रति लीटर और एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) पर 29.50 रुपये प्रति लीटर का निर्यात शुल्क लगाया गया है। फिलहाल पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क तीन रुपये प्रति लीटर और डीजल पर शून्य है।

पश्चिम एशिया संकट के कारण शिपिंग मार्गों में व्यवधान से उर्वरक, कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के आयात को लेकर सरकार की चिंता बढ़ गई है। भारत उर्वरक एवं पेट्रोलियम का बड़ा आयातक है। अमेरिका और इजराइल के 28 फरवरी को ईरान पर सैन्य हमले करने और तेहरान की व्यापक जवाबी कार्रवाई के बाद वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में लगभग 50 फीसदी की वृद्धि हुई है।

स्टॉक मार्केट में हाईनेस माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक्स की प्रीमियम एंट्री, मुनाफे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

डिजिटल इमेजिंग सॉल्यूशन के काम में लगी कंपनी हाईनेस माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में प्रीमियम एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 120 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 4.16 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 125 रुपये के स्तर पर हुई।

लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के कारण कंपनी के शेयर उछल कर 130 रुपये के स्तर तक पहुंच गए। हालांकि बाद में मुनाफा वसूली होने पर इसके भाव में थोड़ी गिरावट भी आई। दोपहर 12:30 बजे तक कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 129.80 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह से अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 9.80 रुपये यानी 8.17 प्रतिशत का फायदा हो चुका है। हाईनेस माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड का 21.67 करोड़ रुपये का आईपीओ 24 से 27 मार्च के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से शानदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 193.91 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 81.95 गुना (एक्स एंकर) सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 362.12 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 185.11 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 18.06 लाख शेयर जारी किए गए हैं। इनमें 16,53,600 नए शेयर और 1,52,400 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी मुंबई में अपनी फैक्ट्री में असेंबली लाइन सेटअप करने, पुराने कर्ज को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 44 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 2.39 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 2.52 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 3.41 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है।

एयरटेल 65 करोड़ ग्राहकों के साथ बनी दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी

एजेंसी, नई दिल्ली

निजी क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल ने वैश्विक स्तर पर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। भारती एयरटेल 65 करोड़ ग्राहकों के साथ दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी बन गई है। कंपनी ने गुरुवार को ग्लोबल सिस्टम फॉर मोबाइल कम्युनिकेशंस (जीएसएमए) के आंकड़ों का हवाला देते हुए यह जानकारी दी। कंपनी ने बताया कि 'जीएसएमए इंटेलिजेंस' के मुताबिक मोबाइल ग्राहक आधार के लिहाज से भारती एयरटेल वैश्विक स्तर पर दूसरे स्थान पर है। कंपनी भारत तथा अफ्रीका में सेवाएं देती है। कंपनी के प्रवक्ता ने बताया कि यह संख्या 31 मार्च तक उपलब्ध आंकड़ों पर आधारित हैं। एयरटेल ने कहा कि भारत में उसके 36.8 करोड़ से अधिक मोबाइल ग्राहक हैं, जबकि अफ्रीका के 14 देशों में 17.9 करोड़ से अधिक ग्राहक हैं। कंपनी के अनुसार अपने क्षेत्रीय बाजारों से आगे बढ़ते हुए एयरटेल 'यूटेलसैट वनवेब' और 'स्पेसएक्स' के साथ रणनीतिक साझेदारी के माध्यम से डिजिटल खाई को पाटने का प्रयास कर रही है। भारती एयरटेल के कार्यकारी उपाध्यक्ष गोपाल विट्टल ने कहा कि हम नवाचार, विश्वसनीयता एवं सेवाओं के अनुभव के स्तर को और ऊंचा करने का प्रयास करेंगे, ताकि हर ग्राहक के साथ संपर्क भरोसा जीतने तथा मूल्य प्रदान करने का अवसर बने।

भारत-ऑस्ट्रेलिया ईसीटीए के चार वर्ष पूरे, द्विपक्षीय आर्थिक साझेदारी को मिली मजबूती

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौता (ईसीटीए) के चार वर्ष पूरे होने के साथ द्विपक्षीय आर्थिक साझेदारी को नई मजबूती मिली है। निर्यात में मजबूत वृद्धि के बीच भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच द्विपक्षीय व्यापार वित्त वर्ष 2024-25 में 24.1 अरब अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया, जबकि वित्त वर्ष 2025-26 में फरवरी तक भारत का ऑस्ट्रेलिया के साथ कुल व्यापार 19.3 अरब अमेरिकी डॉलर रहा।

भारत और ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौते के हस्ताक्षर को आज 4 वर्ष पूरे हो गए हैं। 2 अप्रैल, 2022 को हस्ताक्षर किए जाने के बाद से इस समझौते ने व्यापार बढ़ाने, उद्योग संबंधों को सुदृढ़ करने और व्यवसाय, उद्यमिता व रोजगार के नए अवसर सृजित करने में अहम योगदान दिया है। पिछले चार वर्षों में इस समझौते ने द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को और मजबूती प्रदान की है, जिससे दोनों पक्षों को बेहतर बाजार पहुंच और व्यापार बाधाओं में कमी का लाभ मिला है। ऑस्ट्रेलिया को भारत से होने वाला निर्यात दोगुने से ज्यादा बढ़ गया है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक वित्त वर्ष 2020-21 में निर्यात 4 अरब अमेरिकी डॉलर था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़कर 8.5 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया है। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान कुल द्विपक्षीय व्यापार 24.1 अरब अमेरिकी डॉलर रहा, जबकि भारत से ऑस्ट्रेलिया को होने वाले निर्यात में पिछले वर्ष की तुलना में 8 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। वित्त वर्ष 2025-26 (फरवरी तक) भारत का ऑस्ट्रेलिया के साथ कुल व्यापार 19.3 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। मंत्रालय के मुताबिक यह समझौता द्विपक्षीय संबंधों का एक प्रमुख स्तंभ बनकर उभरा है, जिससे दोनों देशों के व्यवसायों, लघु एवं मध्यम उद्यमों, श्रमिकों और उपभोक्ताओं को ठोस लाभ प्राप्त हो रहे हैं। भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौता के 4 साल पूरे होने के अवसर पर दोनों पक्षों ने व्यापार विस्तार, आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुदृढ़ करने, निवेश साझेदारी को बढ़ावा देने और द्विपक्षीय आर्थिक साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के साझा उद्देश्य को आगे बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की है।

कथानार-द वाइल्ड सॉर्सेरर का ट्रेलर हुआ रिलीज, अनुष्का शेट्टी और जयसूर्या की फिल्म में नजर आई जादुई कहानी,14 भाषाओं में होगी रिलीज

भारतीय सिनेमा की मचअवेटेड फिल्मों में से एक कथानरका बहुप्रतीक्षित ट्रेलर आखिरकार रिलीज कर दिया गया है। नेशनल अवार्ड विजेता फिल्म होम के निर्देशक रोजिन थॉमस इस भव्य प्रोजेक्ट के साथ पांच साल बाद वापसी कर रहे हैं। यह फिल्म न केवल भारतीय बल्कि वैश्विक स्तर पर एक बड़े सिनेमाई अनुभव का वादा करती है, जिसे बेहद बारीकी और शोध के साथ तैयार किया गया है। फिल्म का ट्रेलर देखने लायक है और एक शानदार कहानी की झलक पेश कर रहा है। फिल्म में शानदार कास्ट है और ये 9वीं सेंचुरी में ले जाने के लिए पूरी तरह तैयार नजर आ रही है। इस फिल्म में मुख्य भूमिका लोकप्रिय अभिनेता जयसूर्या निभा रहे हैं, जो कथानर के टाइटल रोल में नजर आएंगे। उनके साथ फिल्म में जयसूर्या, अनुष्का शेट्टी और प्रभुदेवा जैसे दिग्गज कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में हैं। सहायक कलाकारों में विनीत, नितीश भारद्वाज, हरीश उथमन और कुलप्रीत यादव जैसे नाम शामिल हैं। कथानर को एक ग्लोबल फिल्म के रूप में पेश किया जा रहा है, जिसे हिंदी, बंगाली, मलयालम, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और अंग्रेजी के साथ-साथ आठ अंतरराष्ट्रीय भाषाओं में भी रिलीज किया जाएगा। फिल्म का टीजर एक ऐसी दृश्य यात्रा पर ले जाता है जो दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देती है। नौवीं शताब्दी की पृष्ठभूमि पर आधारित यह फिल्म पीरियड फैंटेसी शैली में एक नया प्रयोग है। निर्देशक रोजिन थॉमस ने पारंपरिक कहानियों से हटकर इस फिल्म के लिए गहन शोध किया है, जो इसके वातावरण और वर्ल्ड-बिल्डिंग में स्पष्ट रूप से झलकता है। टीज़र में दिखाई गई सिनेमैटोग्राफी और विजुअल ट्रीटमेंट इसे समकालीन फिल्मों से मीलों आगे ले जाता है।

श्री गोकुलम मूवीज के बैनर तले गोकुलम गोपालन द्वारा निर्मित यह फिल्म भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े प्रोडक्शंस में से एक मानी जा रही है। निर्देशक ने साझा किया कि लगभग 500 तकनीशियनों ने पांच साल तक लगातार इस प्रोजेक्ट पर काम किया है। विशेष रूप से अभिनेता जयसूर्या ने इस फिल्म के लिए अपने करियर के चार साल समर्पित किए हैं। यह फिल्म निर्माण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और निर्माताओं के अटूट विश्वास का परिणाम है कि आज कथानर इस स्तर की गुणवत्ता हासिल कर पाई है। कथानर का टीजर अपने हॉलीवुड-स्तरीय विजुअल्स और अत्याधुनिक वीएफएक्स के कारण चर्चा में है। राहुल सुब्रमण्यन द्वारा तैयार किया गया दमदार बैकग्राउंड स्कोर टीज़र की तीव्रता को और बढ़ा देता है। फिल्म के हर डिपार्टमेंट चाहे वह कॉस्ट्यूम हो, मेकअप हो या आर्ट डायरेक्शन पर एक अलग दृष्टिकोण के साथ काम किया गया है। पोस्ट-प्रोडक्शन के अंतिम चरण में पहुंची यह फिल्म भारतीय सिनेमा की भव्यता और कहानी कहने के तरीके को वैश्विक मंच पर पुनर्परिभाषित करने की ताकत रखती है।

मेन स्ट्रीम सिनेमा के मुकाबले ओटीटी पर अभिनेत्रियों के लिए ज्यादा अच्छे किरदार : भूमि पेडनेकर

मायानगरी के सिनेमा के सपने को पूरा करने का ख्वाब अब दिल्ली में भी देखा जा सकेगा क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव पहली बार दिल्ली में हो रहा है। 31 मार्च तक चलने वाले महोत्सव में सितारों का मेला लग रहा है। सोमवार को टॉयलेट : एक प्रेमकथा और दम लगाके हईशा जैसी फिल्मों में लीड रोल निभा चुकीं भूमि पेडनेकर और अभिनेता मानव विज समारोह का हिस्सा बने। भूमि पेडनेकर ने कहा कि पहली बार अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव का हिस्सा बनकर खुशी महसूस हो रही है। दिल्ली को इस फिल्म फेस्टिवल की सबसे ज्यादा जरूरत है, और आज सरकार और इस समारोह से जुड़े लोगों की मेहनत ने कलाकारों और निर्माताओं को बड़ा मंच दिया है। भले ही मैं मुंबईवासी हूं, लेकिन मेरा दिल दिल्ली के लिए धड़कता है। ओटीटी और सिनेमा में आए बदलाव पर अभिनेत्री ने कहा कि ओटीटी पर जितने भी किरदार एक्सपेरिमेंटल मिलते हैं, वो राइटर की बदौलत मिलते हैं, क्योंकि वो वैसे किरदारों को लिखते हैं, हमें बस सही किरदार का चुनाव करना होता है, लेकिन मेन स्ट्रीम सिनेमा में महिलाओं के लिए उतने अच्छे और एक्सपेरिमेंटल रोल नहीं मिल पा रहे हैं, जितने ओटीटी पर मिल रहे हैं, लेकिन उम्मीद है कि मेन स्ट्रीम सिनेमा में यह बदलाव भी जल्द से जल्द आएगा। पंजाबी अभिनेता मानव विज भी महोत्सव का हिस्सा बने और उनकी फिल्म मां जाए की स्पेशल स्क्रीनिंग भी रखी गई। मीडिया से बात करते हुए अभिनेता ने बताया कि यह फिल्म उनके लिए बहुत खास है और किरदार को जीवंत करने के लिए उन्होंने पूरी जान लगा दी थी। मुझे पता था कि फिल्म अच्छी साबित होगी, लेकिन यह नहीं पता था कि फिल्म को इतना सम्मान भी मिलेगा।

अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव दिल्ली को जरूरी बताते हुए अभिनेता ने कहा, इसी महोत्सव की वजह से अच्छा सिनेमा सामने आ पाता है और दूसरों को भी अच्छी फिल्म बनाने की प्रेरणा मिलती है। आप किसी चीज की बेहतरी तभी कर सकते हैं, जब उसे बेहतर मंच मिलेगा।

दुनियाभर में 'धुरंधर 2 का धमाल, रौंद डाले बॉबी-शोले के रिकॉर्ड, वर्ल्डवाइड कर डाला होश उड़ा देने वाला कलेक्शन

अ रणवीर सिंह की 'धुरंधर 2 हर गुजरते दिन के साथ न केवल अपने कलेक्शन में भारी भरकम इजाफा करती जा रही है बल्कि नए-नए रिकॉर्ड भी अपने नाम कर रही है. देश और दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा रही इस फिल्म ने सुपर फास्ट स्पीड से उम्मीदों से कई गुना ज्यादा कलेक्शन कर तमाम सारी बॉलीवुड फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है. यहां तक कि इसने कई बड़ी पैन इंडिया फिल्मों के रिकॉर्ड भी नेस्तनाबूत कर दिए हैं. हालांकि दूसरे मंडे पहली बार इसकी कमाई में थोड़ी मंदी देखी गई. चलिए यहा जानते हैं इस फिल्म ने रिलीज के 12वें दिन यानी दूसरे मंडे को वर्ल्डवाइड कितना कलेक्शन किया है?

रणवीर सिंह स्टारर 'धुरंधर 2 ने सिनेमाघरों में ज़बरदस्त ओपनिंग की थी और इसने रिलीज के पहले ही दिन दुनिया भर में 240 करोड़ कमाए (जिसमें पेड प्रीव्यू से मिले 75 करोड़ भी शामिल हैं) थे. इसके बाद बुलेट ट्रेन से भी तेज दौड़ते हुए इस फ़िल्म ने अपने पहले हफ़्ते में ही 1000 करोड़ से ज़्यादा की कमाई कर डाली थी .

फिर धुरंधर 2 का बॉक्स ऑफ़िस पर दूसरा वीकेंड भी काफ़ी शानदार रहा. इसने घरेलू बॉक्स ऑफ़िस पर 170 करोड़ से ज़्यादा की नेट कमाई की, जो कि ज़्यादातर फ़िल्मों के ओपनिंग वीकेंड की कमाई से भी ज़्यादा है. इसके साथ ही फ़िल्म का घरेलू कलेक्शन बढ़कर 847 करोड़ नेट हो गया, जो कि बॉलीवुड फ़िल्मों के लिए एक नया रिकॉर्ड है. सोमवार को फ़िल्म के कलेक्शन में पहली बार बड़ी गिरावट देखने को मिली. बता दें कि 12वें दिन, धुरंधर 2 ने 17,614 शो में भारत में 25.30 करोड़ का नेट कलेक्शन किया. इसके साथ ही, भारत में इसका कुल ग्रॉस कलेक्शन 1,042.23 करोड़ और कुल नेट कलेक्शन अब तक 872.17 करोड़ हो गया है. वहीं विदेशों में, फिल्म ने 12वें दिन 8.00 करोड़ का कलेक्शन किया, जिससे इसका कुल विदेशी ग्रॉस कलेक्शन अब तक 350.00 करोड़ हो गया है. इससे इसका दुनिया भर का कुल ग्रॉस कलेक्शन बढ़कर ?1392.23 करोड़ हो गया है. धुरंधर 2 की दुनिया भर की कमाई ब1392 करोड़ ग्रॉस हो गई है और ये 14 सौ करोड़ी बनने से इंचभर दूर है. इसी के साथ अब, यह फ़िल्म सिफ़र् दंगल (2070 करोड़), बाहुबली 2 (1788 करोड़), और पुष्पा 2 (1724 करोड़) से पीछे है. विदेशों में, धुरंधर 2 गल्फ़ देशों में रिलीज़ नहीं हुई. और फिर भी, यह विदेशों में सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली टॉप 15 भारतीय फ़िल्मों में जगह बनाने में कामयाब रही है.

इसकी $38 मिलियन की कमाई ने बॉबी ($29.4 मिलियन), शोले ($28.2 मिलियन), और पुष्पा 2 ($31 मिलियन) जैसी ऑल-टाइम ब्लॉकबस्टर फ़िल्मों को भी पीछे छोड़ दिया है., रणवीर सिंह के अलावा, 'धुरंधर 2 में आर. माधवन, अर्जुन रामपाल, संजय दत्त, सारा अर्जुन और राकेश बेदी ने भी अपने किरदारों में कमबैक किया है. आदित्य धर द्वारा निर्देशित यह स्पाई थ्रिलर 19 मार्च को रिलीज़ हुई थी. बता दें कि पहली धुरंधर ने दुनिया भर में 1300 करोड़ कमाए थे उम्मीद है कि इसका सीक्वल 2000 करोड़ का आंकड़ा पार कर जाएगा.

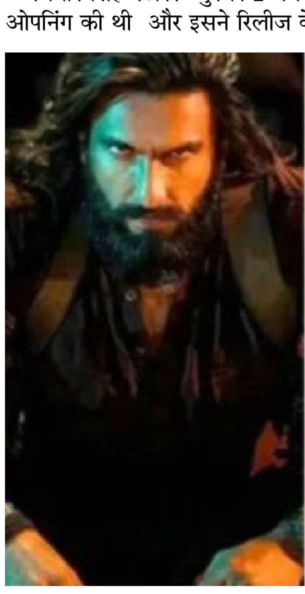

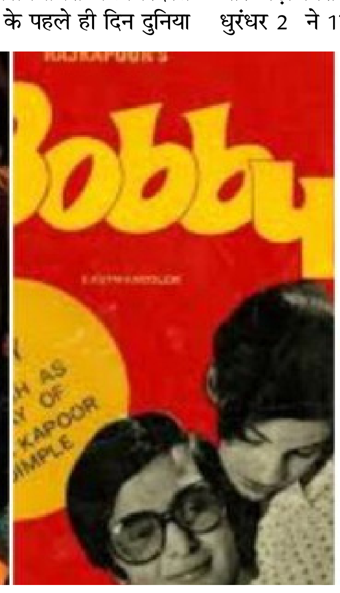

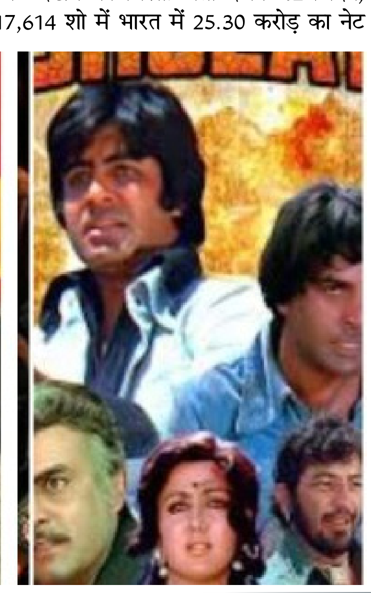

अदिवी शेष और मृणाल ठाकुर की पैन इंडिया एक्शन रोमांटिक थ्रिलर फिल्म डकैत का दूसरा सिंगल चिचुबुड़ी रिलीज

अदिवि शेष की आने वाली पैन-इंडिया एक्शन रोमांटिक थ्रिलर फ़िल्म डकैत 10 अप्रैल को रिलीज़ होने वाली है, और मेकर्स ने फ़िल्म का दूसरा गाना चिच्चुबुड्डी रिलीज़ कर दिया है। यह ज़ोरदार गाना शेष का एक नया अंदाज़ दिखाता है, जिसमें वे पहली बार स्क्रीन पर डांस करते नज़र आ रहे हैं। चिच्चुबुड्डी एक ज़ोरदार पार्टी नंबर है, जिसमें लोक संगीत की लय और जोशीली धुनें हैं; इसे भीम सिसिरोलियो ने कंपोज़ किया है। इस गाने में जोनिता गांधी की दमदार आवाज़ और पवन सिंह की खास मौजूदगी है, जो इसकी लोकप्रियता को और बढ़ाती है। इसके विज़ुअल्स भी उतने ही शानदार हैं, जिसमें एक भीड़-भाड़ वाले सेट पर शेष और गांधी की ज़बरदस्त केमिस्ट्री देखने को मिलती है। भास्करभटला रविकुमार के चुलबुले बोल गाने की जवानी वाली ऊर्जा को और निखारते हैं। राम मिरियाला का योगदान इस गाने के असर को और भी गहरा बनाता है। डकैत सिफ़र् एक एक्शन ड्रामा से कहीं ज़्यादा होने का वादा करती है, जिसमें प्यार, धोखे और गुस्से जैसे विषय शामिल हैं। फ़िल्म की कहानी में रंग-बिरंगे त्योहारों का भी मेल है, जो इसे एक अनोखा सिनेमाई अनुभव बनाता है। शानिएल देव के निर्देशन में बनी इस पहली फ़िल्म में शेष के साथ मृणाल ठाकुर मुख्य भूमिका में हैं। सुप्रिया यारलागड्डा द्वारा निर्मित और सुनील नारंग द्वारा सह-निर्मित, डकैत को अन्नपूर्णा स्टूडियोज़ द्वारा प्रस्तुत किया गया है।

क्या उंगलियां चटकाना सेहत के लिए हानिकारक है? जानिए इस बात की सच्चाई

कई लोग तनाव में होने पर या खाली बैठे-बैठे अपनी उंगलियां चिटकाते रहते हैं। हालांकि, क्या आपने कभी सोचा है कि इस आदत का सेहत पर हानिकारक प्रभाव पड़ सकता है? यह एक आम धारणा है कि उंगलियां चटकाने से गठिया जैसी बीमारियां हो सकती हैं। इस लेख में हम इसी भ्रम की सच्चाई जानेंगे और समझेंगे कि क्या वाकई उंगलियों को चटकाने से कोई खतरा होता है या यह सिर्फ एक मिथक है।

लोग क्यों चिटकाते हैं उंगलियां ?: उंगलियों को चटकाने का कारण अक्सर हवा के बुलबुले बनना होता है। जब आप उंगलियों को चिटकाते हैं तो आपके जोड़ों में दबाव बढ़ जाता है, जिससे हवा के बुलबुले बनते हैं और आवाज आती है। यह प्रक्रिया पूरी तरह से सामान्य है और इससे किसी भी प्रकार का नुकसान नहीं होता। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो यह एक सामान्य प्रक्रिया है, जो आपके जोड़ों को कोई नुकसान नहीं पहुंचाती।

वैज्ञानिक नजरिए से इसे समझें : वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि उंगलियों को चटकाने की आदत गठिया जैसी बीमारियों का कारण नहीं बनती। कई अध्ययनों में यह पाया गया कि जो लोग नियमित रूप से अपनी उंगलियां चिटकाते हैं, उनमें गठिया होने का कोई संकेत नहीं मिलता है। इसलिए, यह कहना गलत होगा कि ऐसा करने से गठिया की बीमारी होती है। वैज्ञानिक नजरिए से यह एक सामान्य प्रक्रिया है, जो आपके जोड़ों को कोई नुकसान नहीं पहुंचाती।

क्या पड़ जाती है उंगलियां चटकाने की आदत ?: उंगलियां चटकाने की आदत पड़ जाती है, लेकिन इससे किसी प्रकार का नुकसान नहीं होता। यह सिर्फ एक सामान्य प्रक्रिया है, जो आपके जोड़ों को कोई नुकसान नहीं पहुंचाती। कई लोग इसे तनाव मुक्त करने का तरीका मानते हैं और इससे कोई स्वास्थ्य संबंधित समस्या नहीं होती। इसलिए, इसे हानिकारक मानना गलत होगा। हालांकि, अगर आपको किसी प्रकार का दर्द महसूस होता है तो इसे करना बंद कर दें।

कैसे छोड़ी जा सकती है यह आदत ? : अगर आपको अपनी इस आदत पर नियंत्रण पाना है तो धीरे-धीरे प्रयास करें। इसके लिए आप अपने हाथों को व्यस्त रखने का प्रयास कर सकते हैं या ध्यान केंद्रित करने के दौरान इसे भूल सकते हैं। साथ ही आप काम करते हुए इस आदत को रोक सकते हैं। दिनभर व्यस्त रहने की कोशिश करें और खाली बैठे-बैठे भी ध्यान रखें कि आप अपनी उंगलियां न चिटकाएं। इससे धीरे-धीरे आपकी यह आदत छूट जाएगी।

रणबीर कपूर की रामायण से डरे तू मेरी जिंदगी है के मेकर्स? दिवाली से पहले रिलीज होगी कार्तिक-श्रीलीला की फिल्म

कार्तिक आर्यन और साउथ एक्ट्रेस श्रीलीला एक म्यूज़िकल ड्रामा में साथ नजर आएंगे. फिलहाल के लिए इस फिल्म का नाम तू मेरी ज़िंदगी है बताया जा रहा है. वहीं फिल्म को लेकर फैंस में काफी एक्साइटमेंट है. इन सबके बीच फ़िल्ममेकर अनुराग बसु इस फ़िल्म की शूटिंग तेज़ी से पूरी करने में जुटे हुए हैं ताकि इसे दिवाली से पहले रिलीज किया जा सके. ये फैसला एक बड़ी फिल्म से क्लैश से बचने के लिए लिया जा रहा है

सूत्रों के हवाले से बताया है कि कार्तिक आर्यन और अनुराग बसु अपनी फ़िल्म को जल्द से जल्द पूरा करने में जुटे हैं. रिपोर्ट के मुताबिक सूत्र ने बताया, अनुराग और फ़िल्म के मेकर्स बॉक्स ऑफिस पर कुछ राहत चाहते हैं. वे रामायण जैसी बड़ी फ़िल्म से बिना किसी क्लैश के, सिनेमाघरों में अपनी फ़िल्म को आराम से चलाना चाहते हैं. अक्टूबर में सिफ़र् एक बड़ी फ़िल्म दृश्यम 3 रिलीज़ हो रही है. इसलिए, प्रोड्यूसर भूषण कुमार और अनुराग अक्टूबर में ही अपनी फ़िल्म रिलीज़ करने पर विचार कर रहे हैं.

रिपोर्ट के मुताबिक सूत्र ने आगे बताया, मकसद यह है कि गर्मियों के पीक पर पहुंचने से पहले ही फ़िल्म का ज़्यादातर हिस्सा पूरा कर लिया जाए. इसके बाद कार्तिक कबीर की स्पोर्ट्स ड्रामा फ़िल्म पर काम शुरू करेंगे, जबकि अनुराग अपनी फ़िल्म का फ़ाइनल कट तैयार करेंगे.b अनुराग बसु की रोमांटिक म्यूजिकल फिल्म का पहला लुक वीडियो कार्तिक आर्यन ने फरवरी 2025 में शेयर किया था. इसकी शुरुआत भीड़ की ज़ोरदार तालियों और चीयर्स से होती है, जबकि अभिनेता गिटार बजाते हुए मंच पर परफ़ॉर्म करते हुए नजर आते हैं. उन्हें तू मेरी ज़िंदगी है गाना गाते हुए देखा जा सकता है, जिसमें वह घनी दाढ़ी और लंबे, बिखरे बालों के साथ एक दिल टूटे आशिक के लुक में नज़र आ रहे हैं. इस वीडियो में श्रीलीला और कार्तिक के रोमांटिक पलों की कुछ झलकियां भी दिखाई गई हैं. इस नई जोड़ी की ज़बरदस्त केमिस्ट्री की एक झलक सामने आने के बाद से फैंस इस फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं.

Murals of memory:

Parliament's walls tell story of India's civilisational journey

New Delhi, Agency: In the quiet corridors of Samvidhan Sadan, history does not merely sit in archives, it unfolds across walls in sweeping strokes of colour and form.The release of "Tides of Time: Bharat's History Through Murals in Parliament" by Sudha Murty has brought renewed attention to one of the most evocative yet often overlooked elements of India's parliamentary heritage - the murals that line its walls.Unveiled by Vice-President (VP) CP Radhakrishnan and Lok Sabha Speaker Om Birla, the book is as much about art as it is about identity. It reopens a visual archive that traces India's journey from ancient civilisations to the freedom struggle, captured across decades by some of the country's most distinguished artists.

For Birla, the murals are far more than aesthetic additions to Parliament's walls. "The murals in Samvidhan Sadan serve as a vivid visual narrative of India's extraordinary journey," he said, pointing out that they capture not only ancient traditions and cultural evolution but also the country's long and arduous struggle for independence. He added that by presenting these stories in an engaging format, the book "acts as a bridge between the past and the present, inspiring future generations to embrace the values of service, dedication and nation-building".

The story of these murals dates back to the early years after Independence, when India was in the process of redefining itself. As colonial symbols were dismantled, including portraits of British viceroys in Parliament, there emerged a conscious effort to reclaim national space through indigenous expression. It was in this moment that GV Mavalankar , the then Speaker of Lok Sabha, envisioned art as a powerful medium to revive national consciousness.

He believed Parliament should not merely function as a legislative space, but also inspire those within it. Paintings, murals and sculptures, he argued, could create an ambience where lawmakers are constantly reminded of the nation's "traditions and greatness".

That vision took shape over the following decades. Between the 1950s and 1990s, a remarkable suite of 58 murals came to adorn the corridors of Parliament. Created using the tempera technique, chosen for its durability in Delhi's climate, these works were crafted by leading figures of Indian art, including KC S Paniker, Sarada Ukil and NS Bendre. Despite their diverse artistic styles and regional influences, the murals come together as a cohesive narrative, depicting India's land, its people, spiritual traditions, intellectual achievements and defining historical moments. From the Indus Valley Civilisation to the Bhakti movement, from ancient republics to the freedom struggle, theSE offer a sweeping visual chronicle of the nation.

Echoing this sentiment, VP CP Radhakrishnan described the murals as "not merely works of art but visual narratives reflecting India's civilisational journey". Highlighting the country's deep democratic roots, he said Bharat has long been the "mother of democracy", with traditions that are continuous, inclusive and deeply embedded in society.

He also emphasised the enduring relevance of Parliament as a space of dialogue and deliberation. "Parliament represents dialogue, debate, dissent and discussion, but all must ultimately contribute to decision-making in the national interest," he said, adding that the book brings alive the "timeless beauty and profound symbolism" of these murals. For Sudha Murty, the project stems from a concern that younger generations are increasingly disconnected from history.

Delhi Police reunite 154 missing persons, including 39 kids, with families in southwest Delhi

New Delhi, Agency: In a significant success under "Operation Milap," the South-West District Police have traced and reunited 155 missing persons, including 39 children, with their families during the month of March, officials said on Thursday. According to police, the recovered individuals include 39 missing or kidnapped children and 116 adults, all of whom were safely reunited with their families between March 1 and March 31.

The operation forms part of a broader effort, under which a total of 348 missing persons, including 98 minors and 250 adults, have been traced in the district so far this year. The prompt action was initiated immediately after receiving complaints of missing or kidnapped individuals. Search operations involved extensive local enquiries, scanning of CCTV footage, and dissemination of photographs at key public locations such as auto stands, e-rickshaw stands, bus terminals, and railway stations, Deputy Commissioner of Police (Southwest) Amit Goel said in a press statement. The DCP added that the cops also engaged with transport workers, including bus drivers and conductors, as well as local vendors, to track the movement of missing persons.

Green Action Plan 2026-27 Delhi sets target to plant 70L+ trees, bamboo hedges

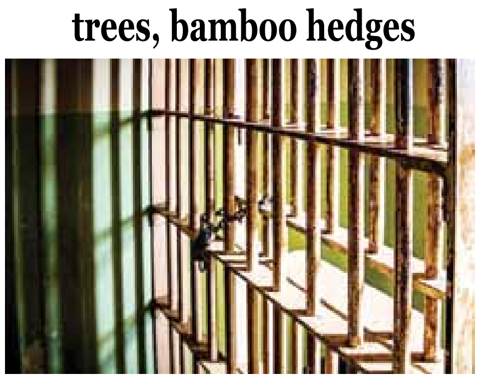

New Delhi, Agency: The Delhi Government has set an ambitious target of planting over 70 lakh trees, shrubs and bamboo hedges across the city as part of its revised Green Action Plan (GAP) for 2026-27. The move brings 22 departments and agencies under a coordinated greening effort aimed at improving the capital's air quality and expanding its green cover.

The Department of Forests & Wildlife has been designated as the nodal agency and will monitor the progress of plantation drives through the GAP portal to ensure transparency and accountability. Announcing the initiative, Environment Minister Manjinder Singh Sirsa said, "Our government is deploying a multi-pronged strategy not just to control pollution but to exponentially increase Delhi's green cover. Last year, we achieved massive plantations with the participation of students, citizens, bureaucrats, politicians, judges, dignitaries, ambassadors of 70+ countries, and advocates, aligning with Prime Minister Narendra Modi's 'Ek Ped Maa ke Naam' campaign for a greener India." He further stated, "Delhi's air quality suffered for years due to the fake promises of previous governments. Our commitment to protecting air and building lasting green infrastructure remains the priority, with several measures implemented last year and continuing this year.

Delhi issues preliminary notification for land acquisition in Palam village

New Delhi, Agency: The Delhi Government on Wednesday issued a preliminary notification for the acquisition of land in Palam village for a public purpose under the Dwarka Project Phase-I.

District Magistrate (South-West) issued the orders in this regard. According to the notification issued under the provisions of the Right to Fair Compensation and Transparency in Land Acquisition, Rehabilitation and Resettlement Act, 2013, a total of 18 bigha of land in Palam village, falling under Dwarka sub-division in South-West Delhi, has been identified for acquisition.

The proposed acquisition includes privately owned agricultural land spread across multiple survey numbers. The land has been earmarked for the development of Dwarka Project Phase-I, which is aimed at strengthening urban infrastructure in the area. A Social Impact Assessment (SIA) study for the project was conducted by the Indian Institute of Public Administration, and the report was submitted in October 2024. The assessment indicates that one landowner and 14 shop tenant families are likely to be affected by the acquisition.

The Additional District Magistrate, South-West District, has been appointed as the Administrator for carrying out rehabilitation and resettlement of the affected families, as per the provisions of the Act.

Following the notification, restrictions have been imposed on any sale, purchase, or transfer of the notified land without prior approval of the Collector. Government officials have also been authorised to enter and survey the land for project-related work. Affected persons or stakeholders can file objections to the proposed acquisition within 60 days from the date of publication of the notification. Objections are to be submitted before the Collector, South-West District. The notification has been issued by District Magistrate and Collector Mekala Chaitanya Prasad on behalf of the Lieutenant Governor of Delhi. Officials stated that if the Delhi Government is satisfied that the land is required for the stated public purpose, a final notification for acquisition will be issued in due course.

Two policemen held for robbing bizman of Rs 8.4L

New Delhi, Agency: Soni claimed the two accused recorded a video of him carrying Rs 10.4 lakh in cash and threatened to send him to jail by framing him as a smuggler of counterfeit currency, police said. In his complaint, Soni alleged that the accused fled with Rs 8.4 lakh, the police said. "The complaint reached the office of the Deputy Commissioner of Police (Central) on March 25 and was taken up immediately. Taking serious note of the allegations, senior officers ordered prompt departmental action," they said.

Considering the gravity of the complaint, both accused were placed under suspension with immediate effect, and a preliminary inquiry was initiated.

51% Of CCTVs China-Made, Delhi Plans Phased Removal

New Delhi, Agency: More than half of the capital's CCTV surveillance network comprises Chinese-origin cameras, prompting Delhi govt to plan their phased removal citing national security concerns. Public Works Department (PWD) minister Parvesh Verma said on Wednesday that the cameras sourced from Chinese firm Hikvision will gradually be replaced across the city.

Delhi currently has over 2.7 lakh CCTV cameras, all installed by PWD. Of these, 1.4 lakh cameras put up in phase-1 between Sept 2020 and Nov 2022 are Chinese-made, while the rest, installed in phase 2 (June 2025 to March 2026) are not of Chinese origin.

Flagging concerns over surveillance and data security, Verma said the decision to install Chinese cameras raises serious questions. "AAP installed these cameras without thinking about long-term security implications. Surveillance infrastructure is not just about visibility, it is about control over sensitive data," he said.

"This was not a routine procurement decision. When you deploy such systems across an entire city, you are making a national security choice. Unfortunately, AAP failed to recognise that," he added.

Initially, 50,000 Chinese cameras have been approved for replacement, a senior official said, adding that efforts will also be made to rationalise and upgrade the overall surveillance network in the city.

Verma said, "We will gradually replace the cameras with secure, trusted and updated systems that meet current technical standards, offer better data security and are supported by a robust supply and service ecosystem."

He added that the transition will be carried out in phases to ensure there is no disruption in surveillance.

Cops arrest wanted accused in Rs 95 lakh ATM robbery

New Delhi, Agency: The Nuh police arrested a wanted accused in theft cases of several lakhs of rupees involving ATM machines. The accused was involved in ATM thefts in various districts for a long time and was absconding in several cases.

According to the police, the arrested accused was identified as Aashiq, a resident of Gogjaka village in Nuh district. He is a proclaimed offender in a case registered in 2018 at the Rohtak Urban police station. A police team had received information that Aashiq was present in the area. A team of the Tauru city police station arrested the accused.

During interrogation, it was revealed that the accused stole approximately Rs 40 lakhs by hacking an SBI Bank ATM machine in Rohtak in 2018. He also stole around Rs 23 lakhs from an ATM in Jhajjar in 2018, and Rs 32 lakhs from an ATM machine in the Brass Market, Model Town police station area of Rewari.

"The accused also has several cases registered against him in Delhi, including those under the Arms Act at the Uttam Nagar police station and Chhawla police station.

Real-time monitoring of Yamuna, major drains from May

New Delhi, Agency: Aiming at real-time monitoring of the Yamuna as well as major drains that fall into it, Delhi govt is setting up 41 online monitoring stations (OLMS), of which six will be built along different parts of the river. The work is set to be completed by April-end, and a tender for it was awarded in March. Of the 41 online stations, 35 will monitor major drains and six will analyse the pollution load on the river, officials said.

Delhi environment minister Manjinder Singh Sirsa said the move is the first step of govt's initiative to clean up the river.

"This will bring transparency. Data is crucial for cleaning up the river and controlling the pollution load. Through real-time monitoring, we will be able to figure out the fault lines and fix accountability," Sirsa said.

Previously, similar bids were made in 2024 and 2025, and tenders were floated but remained inconclusive. The tenders stated that the project will include five years of operation and maintenance, ensuring round-the-clock monitoring and transmission of data to the DPCC server.The monitoring will check real-time temperatures, flow, pH, biological oxygen demand (BOD), chemical oxygen demand (COD), total suspended solids (TSS), total nitrogen (TN), total phosphorus (TP), ammonium, dissolved oxygen and conductivity.

Officials, however, clarified that the OLMS will not measure fecal coliform -- the major indicator of raw sewage. This will be monitored manually. Officials added that the manual monitoring of river and drains will continue regardless of the OLMS operations.

The real-time monitoring and data generation will start in May.

"This will be similar to real-time air quality and noise pollution data being displayed on the Delhi Pollution Control Committee (DPCC). The data will be transparent and will be accessible. It will help us monitor the water quality of the river and drains, as well as track fluctuations in major parameters in real time," an official said.

The six locations where these monitors are being installed include - Palla, ISBT bridge, ITO, Nizamuddin bridge, Okhla barrage and Asgarpur.

DPCC currently collects water samples once a month at eight locations along the river. Wazirabad, where Delhi gets its drinking water from, is notably missing from this list.

Officials, however, pointed out that Wazirabad is being monitored by Delhi Jal Board, though the data from DJB is not accessible to the public.

The river enters Delhi at Palla, and at Wazirabad loses its maximum flow since a major chunk of water is diverted for drinking. Thereafter, between Wazirabad barrage to ISBT bridge, the river receives its maximum pollution load as the Najafgarh drain meets it. This accounts for approximately 80% of Yamuna's pollution in Delhi.

In 2018, the National Green Tribunal-appointed Yamuna Monitoring Committee (YMC) said only a 2% stretch of the river, stretching 22km, accounted for 76% of the total pollution load.